प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

एक गंभीर व्यक्ति कभी मासूम नही हो सकता, और जो मासूम है वो कभी गंभीर नही हो सकता।

ओशो

वर्ष-03, अंक - 45 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 12 अगस्त 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

कोरोना पर होगा दोहरा वार, कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मिक्स डोज की मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी के बीच टीकाकरण अभियान तेजी से जारी है। सरकार की ओर से देश में कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मिक्स डोज की स्टडी के लिए डीसीजीआई ने मंजूरी दे दी है। भारत के औषधि महानियंत्रक ने कोवैक्सीन और कोविशील्ड की मिक्स डोज पर एक अध्ययन करने की अनुमति दी है।

माना जा रहा है कि कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मिक्स डोज कोरोना वायरस पर अधिक असरदार साबित होगी। पिछले दिनों इसको लेकर मंजूरी की अनुमति मांगी गई थी।

ज्यादा कारगर है वैक्सीन की मिक्स डोज

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मिक्स डोज पर अध्ययन किया तो नतीजे हैरान करने वाले मिले। यह पाया गया कि जिन लोगों को एक डोज कोविशील्ड की और दूसरी कोवैक्सीन की लगाई थी उन लोगों के शरीर में कोरोना वायरस के खिलाफप्रतिरोधक क्षमता उन लोगों की तुलना में ज्यादा थी, जिन्हें दोनों डोज कोविशील्ड या कोवैक्सीन की दी गई थी। यानी मिक्स डोज ज्यादा कारगर पाई गई। इससे मिक्स डोज को लेकर दुनिया भर में किए जा रहे अध्ययनों को बल मिला है।

नया आबकारी अधिनियम : 20 लाख के जुर्माने के साथ उम्र कैद या फांसी का फंदा

विधानसभा में पारित हुआ आबकारी विधेयक

भोपाल। समूचे देश में शराब और अन्य नशों का सेवन लगातार बढ़ रहा है तथा उसी अनुपात में अपराध भी बढ़ रहे है। जहरीली शराब के इस्तेमाल से बड़ी संख्या में महिलाओं के सुहाग उजड़ रहे हैं और बच्चे अनाथ हो रहे हैं। जहरीली शराब से गत 10 वर्षों में भारत में 12 हजार से अधिक लोगों की मौतें हुईं। ये तो सरकार द्वारा बताए गए आंकड़े हैं जबकि वास्तव में तो मरने वालों की संख्या कई गुना हो सकती है।

13 जनवरी को मध्य प्रदेश के मुरैना में जहरीली शराब पीने से 24 लोगों की मौत हो गई। 28 मई को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में विषैली शराब पीने से 28 लोगों की जान चली गई। 4 जून को अलीगढ़ के जवां क्षेत्र में गंगनहर की पटरी पर किसी शराब तस्कर द्वारा फैंकी गई जहरीली शराब पीने से 10 लोगों की मौत हो गई। 19 जुलाई को बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में विषैली शराब पीने से लोगों की जान चली गई तथा अनेक अंधे हो गए। 29 जुलाई को मध्य प्रदेश के मंदसौर में विषैली शराब पीकर 11 लोगों की मौत हो गई।

इसी को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार हरकत में आई और मंत्रिपरिषद ने 3 अगस्त को नए आबकारी अधिनियम संशोधन विधेयक के मसौदे को स्वीकृति दी। वही मानसुन सत्र में इसे विधानसभा में भी अन्य बिल के साथ रखा गया। उस पर विधानसभा की मुहर लग गई। सदन में आबकारी अधिनियम में संशोधन विधेयक हंगामे के बीच पारित हो गया। राज्यपाल की सहमति के बाद अब यह कानून भी बन जाएगा लेकिन ऐसे गंभीर विधेयक पर किसी विधायक ने कोई सुझाव देना उचित नहीं समझा। कानुन के अंतर्गत जहरीली शराब के कारोबार में लिप्त पाए जाने वालों के लिए 20 लाख रुपए जुर्माने के अलावा उम्र कैद या फांसी के फंदे तक की सजा का प्रावधान किया गया है।

म.प्र. के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के अनुसार इससे पहले कानून में मात्र 5 वर्ष से लेकर अधिकतम 10 वर्ष तक कैद व 10 लाख रुपए जुर्माने का ही प्रावधान था। अब नकली शराब जब्त किए जाने के मामले में भी वर्तमान में लागू 6 महीने से 4 वर्ष तक की सजा बढ़ाकर 6 वर्ष से 10 वर्ष तक कर दी गई है। इसके अलावा जहरीली शराब पकडने गई पुलिस एवं आबकारी विभाग की टीमों पर हमला करने वालों को बिना वारंट के गिरफ्तार करने का अधिकार भी पुलिस को अब दे दिया गया है।

सरकार द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि, जहरीली शराब से लोगों की मौत गंभीर अपराध है। कानून में संशोधन कर अवैध शराब के कारोबार में लगे व्यक्तियों के लिए कठोरतम दंड का प्रावधान किया जाए। वहीं अवैध शराब के कारोबार में संलग्न व्यक्तियों के खिलाफसख्ती से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि, इसमें किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पड़ोसी राज्यों से अवैध शराब की आवक रोकने के लिए सघन रूप से हर संभव प्रयास किए जाएं। इसके लिए संबंधित राज्यों से बातचीत करें।

10 वीं और 12 वीं की विशेष परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दसवीं व बारहवीं की विशेष परीक्षा में शामिल होने के लिए आनलाइन पंजीयन करने की तिथि 15 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में यह तिथि 10 अगस्त तक निर्धारित थी। प्रदेश में अधिक बारिश होने और ग्वालियर एवं चंबल संभाग में बाढ़ की स्थिति निर्मित होने के कारण यह निर्णय लिया गया है।

मंडल की दसवीं व बारहवीं बोर्ड में साढ़े 16 लाख विद्यार्थियों में से दस हजार दोबारा परीक्षा देना चाहते हैं, वहीं मंडल ने अब दोबारा परीक्षा में शामिल होने के लिए पंजीयन कराने वाले विद्यार्थियों को नाम वापसी के लिए पांच दिन का समय भी दिया है। इसके बाद विद्यार्थी नाम वापस नहीं लेते हैं, तो ऐसे छात्रों की एक सितंबर से परीक्षा आयोजित की जाएगी। जो विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे, उनका वर्तमान रिजल्ट अमान्य कर दिया जाएगा।

बता दें, कि कोरोना के कारण मप्र बोर्ड ने दसवीं और बारहवीं की परीक्षा नहीं ली थी। दसवीं का रिजल्ट बेंचमार्क व बारहवीं का दसवीं के रिजल्ट के आधार पर घोषित किया जा चुका है। मंडल इस रिजल्ट से नाखुश विद्यार्थियों की विशेष परीक्षा आयोजित कर रहा है। ऐसे विद्यार्थी एक से 25 सितंबर तक आयोजित होने वाली परीक्षा में निःशुल्क शामिल हो सकते हैं। इस परीक्षा के आधार पर तैयार परीक्षा परिणाम ही अंतिम मान्य किया जाएगा।

राज्यसभा में सिर्फ ओबीसी बिल पर होगी वोटिंग

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही बुधवार को अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित हो गई। इसका अर्थ यह हुआ कि, इस मॉनसून सेशन में अब लोकसभा नहीं चलेगी। इस तरह से लोकसभा का मॉनसून सत्र दो दिन पहले ही समाप्त हो गया। मॉनसून सत्र के लिए 19 जुलाई से 13 अगस्त तक की तारीख तय की गई थी, लेकिन लोकसभा दो दिन पहले ही स्थगित हो गई है। ये ही नहीं सरकार ओबीसी आरक्षण से जुड़ा विधेयक राज्यसभा से पारित कराने के बाद उच्च सदन को भी अगले सत्र तक के लिए स्थगित करने की तैयारी में है।

पेगासस जासूसी मामला, तीन केंद्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग सहित अन्य मुद्दों पर विपक्षी दलों के शोर-शराबे के कारण पूरे सत्र में सदन में कामकाज बाधित होकर 22 प्रतिशत कार्य ही हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सुबह कार्यवाही शुरू होने पर बताया कि, 17वीं लोकसभा की छठी बैठक 19 जुलाई 2021 को शुरू हुई और इस दौरान 17 बैठकों में 21 घंटे 14 मिनट कामकाज हुआ।

लोकसभा स्पीकर बोले, उम्मीद के मुताबिक नहीं हो पाया काम

बिरला ने कहा कि, सदन में कामकाज अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। व्यवधान के कारण 96 घंटे में करीब 74 घंटे कामकाज नहीं हो सका। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, निरंतर व्यवधान के कारण महज 22 प्रतिशत कार्य निष्पादन रहा। सत्र के दौरान संविधान (127वां संशोधन) विधेयक सहित कुल 20 विधेयक पारित किए गए। चार नए सदस्यों ने शपथ ली। बिरला ने बताया कि, मॉनसून सत्र के दौरान 66 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए और सदस्यों ने नियम 377 के तहत 331 मामले उठाए।

ममता बेनर्जी के भतीजे व अन्य टीएमसी सांसदों के खिलाफ एफआइआर दर्ज

खोवाई, एजेंसी। त्रिपुरा पुलिस ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के भतीजे अभिषेक बेनर्जी, डोला सेन और पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं के खिलाफपुलिस कर्मियों को उनकी ड्यूटी में बाधा डालने के आरोप में एफआइआर दर्ज की है। त्रिपुरा पुलिस ने ममता बेनर्जी के भतीजे अभिषेक बेनर्जी के अलावा बंगाल के मंत्री ब्रत्य बसु और पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष के खिलाफभी मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि, रविवार सुबह 14 टीएमसी नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद मंत्री ब्रत्य बसु और सांसद डोला सेन के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं का एक समूह खोवाई थाने पहुंचा। जल्द ही अभिषेक बेनर्जी भी स्टेशन पहुंच गए।

पुलिस के मुताबिक टीएमसी नेताओं के समूह ने एडिशनल एसपी और अन्य पुलिस कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया और उन पर चिल्लाया भी। त्रिपुरा पुलिस ने अब टीएमसी के शीर्ष नेताओं को खोवाई के एडिशनल एसपी और एसडीपीओ के साथ दुर्व्यवहार करने और पुलिस कर्मियों को ड्यूटी करने से रोकने के लिए मामला दर्ज किया है।

बता दें कि पिछले हफ्ते, अभिषेक बेनर्जी और टीएमसी कार्यकर्ताओं पर त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों में हमला किया गया था। पार्टी 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले अपनी तैयारियों में लगी हुई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने आरोप लगाया था कि, त्रिपुरा में अभिषेक बेनर्जी और अन्य पर हालिया हमले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर किए गए थे और कहा था कि, इस तरह की हरकतें उन्हें निराश नहीं करेंगी।

हालांकि, पश्चिम बंगाल भाजपा ने आरोप को निराधार करार दिया और कहा कि, ममता बेनर्जी के तर्क के अनुसार उन्हें राज्य में चुनाव के बाद की हिंसा और अपने कार्यकर्ताओं की हत्या के लिए दोषी ठहराया जाना चाहिए।

दिल्ली हाई कोर्ट में बोला ट्विटर, राहुल गांधी के ट्वीट ने नीति का किया उल्लंघन

नई दिल्ली, एजेंसी। जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान ट्विटर ने दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया कि राहुल गांधी के ट्वीट ने उनकी नीति का उल्लंघन किया। राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर दिल्ली की नाबालिग रेप पीड़िता के परिवार की पहचान उजागर की थी।

दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट में नाबालिग बच्ची से रेप और मौत मामले में परिजनों की कथित रूप से पहचान उजागर करने वाले राहुल गांधी के ट्वीट मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और पुलिस को उनके खिलाफकार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग की गई है। बता दें कि दिल्ली के नांगल गांव में दरिंदगी का शिकार हुई 9 साल की दलित बच्ची के परिवार से मिलने के लिए बीते दिनों राहुल गांधी गए थे और उन्होंने उनकी तस्वीर ट्विटर पर पोस्ट की थी। याचिका में सामाजिक कार्यकर्ता मकरंद सुरेश म्हादलेकर ने आरोप लगाया है कि, राहुल गांधी ने पीड़िता के परिवार की तस्वीरें शेयर कर किशोर न्याय अधिनियम और यौन अपराधों से बच्चों की रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। दोनों अधिनियमों में प्रावधान यह कहते हैं कि अपराध के शिकार हुए बच्चे की पहचान का खुलासा नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी ने बीते बुधवार को बच्ची के परिजनों से मुलाकात की थी और उनके साथ मिलकर न्याय के लिए संघर्ष करने का भरोसा दिया था। बच्ची के परिजनों को राहुल गांधी ने अपनी कार के अंदर ही बैठाकर बात की थी। इसके बाद उन्होंने उनकी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर शेयर कर दी थी। इस तस्वीर में राहुल गांधी के साथ बच्ची के माता-पिता नजर आ रहे हैं। अब बच्ची की पहचान उजागर करने को लेकर राहुल गांधी घिर गए हैं। कानून के मुताबिक किसी भी नाबालिग रेप पीड़िता की पहचान उजागर नहीं की जा सकती।

पुलिस चेक पाईंट पर स्थित भाजपा समर्पित होटल पर हो रहे अनैतिक कार्य

होटल में गैर मजहबी लड़के के साथ लड़की को युवाओं ने पकड़ा रंगे हाथ, धुलाई कर मामले को किया रफा-दफा

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य संस्कृति का दुष्प्रभाव वर्तमान में गांव-गांव तक पहुंच चुका है, जिसमें निश्चित रूप से सबसे बड़ी भूमिका इंटरनेट की रही है। जिसका आज भी युवा पीढ़ी उपयोग कम और दुरुपयोग ज्यादा कर रहे हैं। इसी का परिणाम यह सामने आ रहा है कि, वर्तमान में अपरिपक्व युवा पीढ़ी अपनी राह भटक रही है। वर्तमान में लैंगिक समानता व बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन स्वरूप शिक्षा का स्तर बढ़ा है और यह सही है कि, बेटियां भी बेटों से कम नहीं है। आज हम देख रहे हैं कि, ओलंपिक खेलों में भी भारत की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है, जो निश्चित रूप से प्रत्येक देशवासी के लिए गौरवमई क्षण है साथ ही प्रेरणा स्त्रोत भी है।

लेकिन वर्तमान में हम देखते हैं कि, मां-बाप बड़े अरमान, उम्मीदों और आशंकाओं के साथ अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए नजदीक के कस्बो में भेजते हैं, तो उनके मन में एक भय बना रहता है कि, क्या मेरी बेटी वर्तमान माहौल में सुरक्षित रह पाएगी...? लेकिन वही बेटी जब मां-बाप के विश्वास को तोड़कर क्षणिक आकर्षण के मोह में फस जाती है, तो वह न केवल अपने माता-पिता का विश्वास तोड़ती है। वरन हजारों अन्य बेटियों की राह में कांटे बोती है, जोकि प्रतिभाषाली होते हुए भी इस प्रकार के उदाहरण सामने आने के बाद शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित हो जाती है।

आज युवा वर्ग आधुनिकता के आकर्षण, चमक-दमक और चकाचौंध में अपनी राह भटक जाता है। कुछ ऐसा ही मामला झाबुआ जिले में सामने आया है, जिसमें एक लड़की माता-पिता की उम्मीदों को पूर्ण करने के लिए घर से निकली। भावावेश में आकर बदनावर रोड के एक होटल में गैर मजहबी लड़के के साथ पकड़ी गई। जब इसकी जानकारी हिंदूवादी संगठन को मिली तो हिंदूवादी संगठनों ने उस मजनू की जमकर धुलाई कर दी, हालांकि मामला लव जिहाद का बनता था। लेकिन लड़की की बदनामी को ध्यान में रखते हुए मामला पुलिस थाने तक नहीं पहुंचा। इस प्रकार की घटना छोटे-छोटे गांव और कस्बों में होना निश्चित रूप से यह सोचने पर मजबूर करता है कि, आखिर आज की युवा पीढ़ी किस दिशा में जा रही है। जो न केवल अपना भला-बुरा सोच रही है वरन समाज को भी गलत संदेश दे रही है। उनके द्वारा क्षणिक और भावावेश में आकर गलत कदम उठा लिया जाता है।

उक्त मामला 6 अगस्त का बताया जा रहा है और यह भी चर्चा है कि, लड़की का जन्मदिन था। उस दिन लड़की अपने गांव से करीब 16 किलोमीटर दूर गैर मजहबी लड़के से मिली, जिसके साथ पूर्व से वार्तालाप थी। वही उक्त गैर मज़हबी लड़के के बारे में बाजार में चर्चा है कि, लड़के के मोबाइल में एक से अधिक लड़कियों की फोटो होकर उन्हें प्यार के झूठे झांसे में फंसा कर चैटिंग करता है। तथा बड़े बड़े ख्वाब व हरकिसी को उसका हमदर्द बताकर जो लड़की उसके जाल में फंसती है, उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित कर लड़कियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने में कोई चूक नहीं कर रहा है। इसी कड़ी में 6 अगस्त को श्रद्धांजलि चौक-बदनावर मार्ग पर भाजपा समर्पित व्यक्ति का रेस्टोरेंट है, जिसे अब पत्रकारिता का भी शौक अपने प्रभाव को और प्रभावशील बनाने के लिए चढा है। उसी रेस्टोरेंट के पास उसके ही भाई की होटल है, भाई भी भाजपा समर्पित होकर पूर्व विधायक से नजदीकी राजनीति संबंध है, की होटल में गैर मजहबी लड़के ने पांच सौ रूपये में कमरा बुक कर लड़की को अपने झांसे में लेकर उसके साथ अनैतिक कार्य करने का प्लान बनाया था। उक्त जानकारी किसी माध्यम से हिंदू संगठनों के युवाओं को लगी और भाजपा समर्पित व्यक्ति के होटल पर पहुंचने पर होटल के कमरे में दोनों मिले। युवाओं ने अपना आक्रोश लड़के पर उतारा और जमकर धुलाई होटल के कमरे से लेकर होटल परिसर तक की। वही लड़की के परिजनों को भी बुलाया तथा लड़की की भी धुलाई की गई। पूरा घटनाक्रम उक्त होटल पर हुआ जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। वहीं वायरल किए गये वीडियो डिलीट भी कर दिए गए।

पूरे मामले में देखने की बात यह है कि , यह लव जिहाद का मामला था। और भाजपा समर्थित ने अपनी होटल पर अनैतिक कार्य को अंजाम देने हेतु अपनी ही होटल में रूकवाया तथा यह स्थान ऐसा है कि, जहां पुलिस अपना चेक पाईंट बनाकर अक्सर वाहनों की चेकिंग करती है। ऐसे में बेखौफहोकर उक्त होटल में ऐसे अनैतिक कार्य के लिए होटल का उपयोग होना कई सवालों को जन्म देता है।

उच्च सदन में फिर नीची हरकत:

पेपर फाड़ हवा में उछाले, उपराष्ट्रपति की भावुक अपील का भी असर नहीं

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में बुधवार को भी जमकर हंगामा देखने को मिला। विभिन्न मुद्दों को लेकर विपक्षी नेता राज्यसभा के वेल में इकट्ठा हुए और नारे लगाने लगे। यहां तक कि, कई सांसदों ने पेपर को फाड़कर उसे हवा में फेंकते हुए नजर आए।

बता दें कि, राज्यसभा में मंगलवार को जब कृषि के मुद्दे पर चर्चा शुरू होने वाली थी तो विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच बाजवा को सदन के भीतर अधिकारियों की मेज पर चढ़कर एक सरकारी फाइल को आसन की ओर फेंकते हुए देखा गया था। जबकि संसद सत्र को सुचारू रूप से चलने के लिए राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने सदस्यों से भावुक अपील की थी।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर होता है

वेंकैया नायडू कहा कि, संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर होता है और इसकी पवित्रता पर आंच नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने कहा, जो सदन में हुआ, वह पहले कभी नहीं हुआ। मैं बहुत दुखी हूं। उन्होंने कहा कि, आधिकारियों की मेज और उसके आस-पास का हिस्सा सदन के पवित्र गर्भ गृह की तरह है। इस मेज पर राज्यसभा के महासचिव, पीठासीन अधिकारी, अधिकारी और संवाददाता काम करते हैं।

एटीएम में पैसा न होने पर बैंकों पर लगेगा जुर्माना, 1 अक्टूबर से लागू होगा नियम

नई दिल्ली। देश में एटीएम में पैसा न होने की शिकायतें अक्सर सामने आती रहती हैं। कई जगह तो एटीएम में हफ्तों और महीनों तक पैसा नहीं मिलता है। अब इसको लेकर भारतीय रिजर्व बैंक ने सख्ती अपनाई है।

आरबीआई ने बैंकों और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर्स से ऐसा सिस्टम अपनाने को कहा है जिससे एटीएम में नकदी की उपलब्धता की मॉनिटरिंग की जा सके। साथ ही इस सिस्टम के जरिए एटीएम में पैसा फिर से भरा जा सके। आरबीआई ने एटीएम में पैसा ना भरने पर नई पेनाल्टी स्कीम पेश की है। इसके तहत एटीएम में पैसा ना पाए जाने पर बैंकों पर जुर्माना लगाया जाएगा। यह स्कीम 1 अक्टूबर से लागू होगी।

भ्रष्टाचारियों का प्रभाव ऐसा कि भ्रष्टाचार का खुलासा करने वालों को दे रहे जान से मरवा देने तक की धमकी

मामला चेक डेम में भ्रष्टाचार के हो रहे खुलासे के बाद सीईओ चौहान, एसडीओ घोसले व इंजिनियर अपने गुर्गों से पत्रकार को जान से मरवाने तक की दिलवा रहे धमकी

माही की गूंज, झाबुआ।

माही की गुजं की कलम माफियाओं व भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध एक मुहिम के साथ निरंतर चलती रही हैं ओर चलती रहेगी। झाबुआ जिले के पेटलावद जनपद क्षेत्र की बात करें तो यहां मनरेगा के तहत जमकर भ्रष्टाचार जनपद सीईओ चौहान के अघोषित निचले स्तर तक भ्रष्टाचार करने के निर्देश के साथ ही, मनरेगा एसडीओ सावन घोसले व इंजीनियर अहिरवार जमकर भ्रष्टाचार करवाकर स्वयं के मोटे लाभ के साथ पंचायत एवं अघोषित ठेकेदारों को मालामाल कर रहे हैं। समाचार पत्र में इनके भ्रष्टाचार उजागर हो रहे तो जनपद स्तर की पूरी प्रशासनिक टीम के साथ ग्राम पंचायत के नुमाइंदे के माध्यम से अघोषित ठेकेदारों से पत्रकार पर जान से मार देने तक की धमकी देने व हमला करने-करवाने मे भीं कोई चुक नही कर रहे हैं। ऐसे में पत्रकार को निपटाने के साथ बैठके भी कर रहे हैं। माही की गूंज की मुहिम के साथ इन भ्रष्टाचारियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्ट निर्माण का खुलासा एक के बाद एक कर रहे हैं जिससे सभी हरकत में आकर हमारे प्रतिनिधि को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

ऐसा ही एक मामला जामली ग्राम पंचायत में देखने को मिला। जहां छः चेक डैम अलग-अलग अघोषित ठेकेदारों के माध्यम से बनाए गए समाचार छपने के बाद एक व्यक्ति का फोन आता है कि मैं पत्रकार हूँ... तो अपनी बिरादरी वाले को तो छोड़ दो...! पत्रकार है तो उस पत्रकार भाई से कहना चाहूंगा कि, आप खूब काम करो और खूब कमाओ पर इस तरह विकास के कार्य को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा कर कार्य करोगे तो माही की गूंज की यह कलम अनियमिताओं और भ्रष्टाचार के विरुद्ध बिना भेदभाव के चलती है और चलती रहेगी।

बात यहीं नहीं रुकी जब सीईओ से लेकर ग्राम पंचायत के नुमाइंदों के माध्यम से अघोषित ठेकेदार उर्फ भ्रष्टाचार की लिंक से जुड़े उक्त पत्रकार के माध्यम से भी माही की गूंज को दबाने में असफल दिखे तो जामली के ही एक उभरते युवा को अपने भ्रटाचार की जाल में लालच देकर फसाया और कमल को मोहरा बनाकर माही की गूंज कार्यालय पर फोन लगवाकर हमारे प्रतिनिधि को जान से मारने तक की धमकी दी गई।

मैं कमल पाटीदार बोल रहा हु, शुक्रवार-शनिवार को ऐसा पानी गिरा कि, सभी चेक डैम भरा गए है। मेने एक चेक डेम बनाया जिसमें साढ़े चारसौ बोरी अच्छी गुणवत्ता वाली 350 मूल्य की सीमेंट सप्लाई की, मेरे द्वारा ही गुणवत्ता युक्त एक चेक डेम मनाया गया है। दो जामली के दरबार ने, एक पत्रकार संजय बैरागी ने बनाया, जो चेक डेम मैंने गुणवत्ता युक्त बनाया ऐसे दूसरे चेक डेम नहीं बने। जिन्होंने हल्की क्वालिटी की सीमेंट के साथ नाममात्र की सीमेंट उपयोग कि है। उन चेक डेम के साथ मेरे द्वारा बनाए गए अच्छी क्वालिटी वाला चेक डैम का फोटो छापकर अच्छा नहीं किया। आप आकर देखो और अच्छा समाचार छापा नहीं तो मैं इंदौर तक के पत्रकार को बुलाकर समाचार छपवाऊंगा।

जब गूंज कार्यालय से कहा, अच्छी क्वालिटी का बना हे तो, मटेरियल क्वालिटी का लेबोरट्री टेस्ट करवा लो, साथ ही आप के द्वारा चेक डेम बनाया गया है तो वह विधि संपन्न ही टेंडर होगा। वो टेंडर की कॉपी भिजवा दें। उसके बाद सिखावटी युवा ठेकेदार की जुबान बदली और कहने लगा मैंने चेक डेम नहीं मनाया और एक के बाद एक अपनी ही बात पर बदलता रहा। जब चेक डेम तुमने नहीं बनाया तो तुम्हारा नाम भी नही छपा? जिस पर कमल कहने लगा मेरा नाम नहीं छापा अगर नाम छापा जाता तो राकेश गहलोत जिंदा भी नहीं रहता यह बात खुलेआम मैं कह रहा हूं...! सरेआम हमारे प्रतिनिधि को जान से मारने की धमकी देने वाले से सवाल किया कि, आप भ्रष्टाचार कर इतने प्रभावी बन गए कि, आप किसी की हत्या करवा देंगे...? तो सिखावटी कमल का कंठ सूखने लगा और हो रही मोबाईल रिकॉर्डिंग के चलते अपनी बात से ही फिर से बदलता नजर आया।

माही की गूंज इस महाशय के साथ सभी को आगाह करता है कि, हमारे प्रतिनिधि के साथ भविष्य में कोई भी हानि होती है तो उसका संपूर्ण जवाबदार जनपद के नुमाईदो से लेकर अघोषित ठेकेदार रहेंगे।

इस संबंध में मनरेगा एसडीओ सावन घोसले से चर्चा कि तो बताया, कमल को मैं नहीं जानता हूं और उसने कहां काम किया यह भी मैं देखने के लिए नहीं गया हूं, इंजीनियर अहिरवार की देख-रेख में कार्य हुआ है।

इस संबंध में जब इंजीनियर अहिरवार से बात की तो बताया, मैं भी कमल पाटीदार को नहीं पहचानता हूं, एजेंसी ग्राम पंचायत है उनको मालूम होगा, समाचार प्रकाशित करना एक पत्रकार का अधिकार है, अगर इस तरह से धमकी दी गई है तो वह गलत है।

पुलिस जांच से असंतुष्ट परिवार ने सन्नी की मौत मामले में सीएम हेल्पलाइन पर लगाई गुहार

दुर्घटना के बाद कई सवाल हुए थे खड़े, परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

माही की गूंज, पेटलावद/रायपुरिया।

22 जून की रात रायपुरिया-बनी मार्ग पर देर रात लगभग 12 बजे एक चार पहिया वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी मिली, जसमें वाहन चालक सन्नी सिसोदिया का शव भी बरामद हुआ था। पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज किया। लेकिन परिवार द्वारा घटनास्थल देखने के बाद से दुर्घटना दिखाकर सन्नी के साथ किसी प्रकार की अनहोनी ओर हत्या होने की आशंका व्यक्त की। सन्नी के साथ निकले उसके दोस्त पर शंका होने का आरोप लगाकर जांच की मांग की थी। गूंज द्वारा मामले के हर पहलू पर खबर प्रकाशित कर दुर्घटना की पुलिस थ्योरी पर सवाल खड़े किए थे। मामले में पुलिस एसडीओपी सौनु डावर द्वारा जांच में लिया गया था, लेकिन पुलिस के हाथ ऐसी कोई जानकारी या सूचना नही लगी जिससे मामले में दुर्घटना के अतिरिक्त कोई और मामला निकल कर आए। पुलिस के अनुसार उन्होनें मृतक और उसके साथी के मोबाइल कॉल डिटेल का डाटा, लोकेशन सहित सारी जरूरी जानकारी जुटाई और 22 जून को मृतक का आने-जाने ओर मिलने वालों के बयान दर्ज किए। लेकिन शंका वाली कोई बात सामने नही आई और पुलिस ने मामले को दुर्घटना होना ही मान लिया।

हालांकि मृतक का मोबाइल, एटीएम ओर उसके जेब से गायब नगदी का कोई अता-पता पुलिस को आज तक नही लगा। पुलिस द्वारा की गई जांच के बाद परिवार को मामले में पुलिस द्वारा जांच से संतुष्ट नहीं होने पर मृतक सन्नी सिसौदिया की बहन स्वेता सिसौदिया ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की। शिकायत क्रमांक 14886331 दर्ज करा कर न्याय की गुहार लगाई है। सीएम हेल्पलाइन पर हुई शिकायत के बाद पुलिस को एक बार फिर से मामले की जांच करनी होगी और उन सवालों के जवाब भी खोजना होंगे जिसके जवाब अब तक की जांच में नही मिल सके है।

पेंशनरों, वरिष्ठ नागरिकों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, झाबुआ।

अखिल भारतीय वरिष्ठ नागरिक परिसंघ (संबंध भारतीय मजदूर संघ) द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों, पेंशनरों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितार्थ कार्य किया जा रहा है। मप्र में संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक विगत 30 जुलाई को संपन्न हुई। जिसमें लिए निर्णय अनुसार वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु मंगलवार को संपूर्ण प्रदेश की तरह झाबुआ जिले में भी संगठन से जुड़े पदाधिकारी एवं सदस्यों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम झाबुआ एलएन गर्ग को सौंपा। ज्ञापन वरिष्ठ नागरिक परिसंघ के संभागीय संयोजक गोपालकृष्ण शर्मा, जिलाध्यक्ष पं. गणेशप्रसाद उपाध्याय, सचिव जयेन्द्र बैरागी, कोषाध्यक्ष नाथुलाल पाटीदार के साथ भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष मोहन प्रजापति, विभाग प्रमुख सौरभ पोरवाल, सज्जनसिंह सिसोदिया, वरिष्ठ पीडी. रामपुरिया, रामचरणदास वैरागी एवं रमेशदास वैरागी आदि ने कलेक्टोरेट पहुंचकर एसडीएम गर्ग को सौंपकर 11 सूत्रीय मांगे रखी।

जिसमें निराश्रित, अशक्त, सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त वरिष्ठजनों की पेंशन में वृद्धि कर 3000 रू. मासिक किया जाने, जिला स्तरों पर संचालित वृद्धाश्रमों में वरिष्ठजन का साप्ताहिक स्वास्थ्य परीक्षण किया जाने, प्रदेश में प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक का स्वास्थ्य कार्ड तैयार करवाया जाकर उन्हें आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाने, प्रदेश के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को महंगाई राहत 16 प्रतिशत एवं 27 माह पूर्व पेंशन निर्धारण एरिया राशि का भुगतान किया जाने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के 80 वर्ष पूर्ण होने पर पेंशन में 20 प्रतिशत वृद्धि की जाती है, उसे समाप्त कर प्रतिवर्ष नियमित कर्मचारियों को की तरह वार्षिक पेंशन वृद्धि लागू की जाने, वरिष्ठ नागरिक परिसंघ के पदाधिकारियों को प्राथमिकता देकर उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए मंत्री, विधायक एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उन्हें उचित सम्मान दिया जाने, वरिष्ठजनों हेतु नगर सेवा एवं रूट की बसों में 10 प्रतिशत सीटे आरक्षित रखी जाने की मांग रखी गई।

इसके अलावा वरिष्ठ नागरिक आयोग का पूर्व में गठन किया गया था, परन्तु वर्तमान में वर्तमान में उसे सामाजिक न्याय विभाग में मिला दिया जाता है, अतः उसे पुनः अलग किया जाने, प्रदेश एवं जिला स्तर की पर वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु परामर्शदात्री समितियों का गठन किया जाने एवं प्रत्येक तीन माह में बैठके लेने, वरिष्ठ नागरिक परिसंघ हेतु भोपाल मुख्यालय एवं समस्त जिला मुख्यालयों पर कार्यालयों हेतु निःशुल्क भवन आवंटित किया जाने तथा जिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की वार्षिक पेंशन 5 लाख से कम है और 2 हेक्टेयर से कम भूमि है, उन्हें कृषक सम्मान निधि हेतु पात्र मानकर केंद्र और राज्य सरकार से सम्मान निधि दी जाने की मांग रखी गई।

ग्राम पंचायत सामली के सरपंच व रोजगार सहायक ने दी जान से मारने की धमकी

कपीलधारा कुप के लिए लोगों से की जा रही पांच हजार की मांग, थाने पहुंचा मामला

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड से लगातार सामने आ रही ग्राम पंचायतों की शिकायतो पर कोई बड़ी कार्रवाई नही होने से पंचायत के रोजगार सहायक ओर सरपंच की मनमानी बढ़ गई है।

पेटलावद जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सामली में भ्रष्टाचार की चल रही धांधली में आए दिन सरपंच व रोजगार सहायक द्वारा किसी न किसी व्यक्ती को धमकियां दी जा रही है। पहले भ्रष्टाचार पर आवाज उठाने वाले रायपुरिया मंडल उपाध्यक्ष गलिया डोडियार को जाने से मारने की धमकी दी, अब गांव के ही ग्रामीण को खुलेआम धमकीयां मिल रही है।

लीलाबाई पति मनिया सिगांड ने रायपुरिया थाने में शिकायत में बताया, सरपंच वरसिंग अम्बाराम मुनिया, सहायक सचिव कैलाश सुरजी सिगांड, गोरकी पति राजु सिगाड, झिता पति मिकेश सिगाड, राजु पिता रामा सिगांड पर आरोप लगाए और बताया एक पैर से मैं विकलांग भी हुं, मेरे पास बीपीएल राशन कार्ड व विकलांग प्रमाण-पत्र भी है ओर मैं पिछले चार माह से अनाज लेने जाती हुं तो ये लोग मनाकर भगा देते हैं। अभी तक अनाज नहीं दिया है। मेरे अनपढ़ होने से ये लोग अंगुठा लगवाकर मेरा अनाज निकाल लेते हैं तथा मुझे जान से मारने की धमकी देते हैं।

इसी के साथ नाथु पिता नगजी सिगांड ने भी थाने में शिकायत कर बताया, सामली सरपंच, सहायक सचिव ने पिछले वर्ष दिपावली के समय रोड़ निर्माण किया था, जिसमें मेने व मेरे परिवार के सदस्यों ने 15 सप्ताह काम किया है। जिसकी मजदुरी अभी तक नहीं मिली। मजदुरी की राशि लेने जब मैं सरपंच-सचिव के घर गया तो, उलटा उन्होने मुझे धमकाया और कहा कि, घर पेसे लेने आना मत, अगर अब आया तो बंदूक से जान से मार देंगे। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि, कपीलधारा कुप के लिए पांच हजार रुपए भी ले लिए पर आज तक कपीलधारा कुप नहीं दिया।

इससे पूर्व भी अप्रैल माह में भी पप्पु पिता नाथु सिगांड ने थाने में शिकायत कर बताया, सरपंच व रोजगार सहायक कैलाश सिगांड ने शासन की तरफ़ से कुप दिलाने के लिए मुझसे पांच हजार रुपए लिए थे। लेकिन अभी तक मुझे कुप नहीं मिला, जिसके चलते मेने सरपंच व रोजगार सहायक को बोला, तो उन्होने मुझे बिच रास्ते में रोककर मारपीट की ओर पत्थरो से हमला कर जान से मारने की धमकी दी।

इन सभी लोगो ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। ग्राम पंचायत सामली के रोजगार सहायक को लेकर ग्राम पंचायत के ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों द्वारा शिकायत की जा रही है। लेकिन प्रशासन और पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई देखने को नही मिल रही है।

नगरपालिका की सराहनीय पहल

मटका खाद बनाने का दिया जा रहा प्रशिक्षण

माही की गूंज, झाबुआ। नगरपालिका परिषद् झाबुआ की अध्यक्ष श्रीमती मन्नूबेन डोडियार, उपाध्यक्ष रोशनी डोडियार एवं नपा सीएमओ एलएस डोडिया के मार्गदर्शन में नगरपालिका की सयुंक्त टीम तथा स्वय सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अनूठी पहल की जा रहीं है। जिसमें उनके द्वारा वार्ड-वाईस घर-घर जाकर गीला कचरा एकत्रित कर बाद उसका कम्पोस्ट बनाकर गमलों और क्योरियों में किया जा रहा है। नपा परिषद् का यह कार्य वाकई काबिले तारीफ है।

नगरपालिका राजस्व शाखा के अमित भाबोर ने बताया कि पिछले करीब एक माह से नगरपालिका की टीम और स्वयं सहायत की महिलाओं द्वारा शहर के 18 वार्डों में घर-घर जाकर यह कार्य किया जा रहा है। इसे मटका खाद बनाने हेतु जनजागृति अभियान का नाम दिया है। जिसमें शहरवासियों को स्वच्छ भारत और स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के तहत स्वच्छता की शपथ दिलवाने के साथ ही प्रत्येक रविवार को विशेष अभियान के तहत दो टीमों द्वारा अलग-अलब बटकर घर-घर जाकर लोगों को मटका खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही घरों से निकलने वाले गीले कचरे से कम्पोस्ट बनाकर उसका उपयोग गमले एवं क्योरियों में किए जाने प्रेरित कर रहे है।

यह प्रदान कर रहे नेतृत्व

नगरपालिका के इस अभियान को शहर में काफी सराहा जा रहा है। वहीं इस अभियान में नेतृत्व नपा के स्वास्थ्य अधिकारी युनूसउद्दीन कुरैशी, स्वच्छता शाखा प्रभारी कमलेश जायसवाल, सहायक स्वच्छता निरीक्षक टोनी मलिया, राजस्व शाखा के उप निरीक्षक अयूब खान एवं शहरी आजीविका मिशन की मेनेजर अनिशा राजसिंह प्रदान कर रहीं है।

छात्र ने बनाया अनोखा मल्टी बैरल रॉकेट लांचर टैंक

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के समक्ष राणापुर यूनिक पब्लिक मिडिल स्कूल के छात्र तनवीर अली पिता महमूद अली द्वारा बनाया गया प्रोजेक्ट मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर टैंक का प्रदर्शन किया गया। इसकी विशेषता यह है कि मोबाइल के कमांड से यह चलता है तथा मोबाइल से गोले दागने की क्षमता है। इसके अतिरिक्त इसमें कैमरे लगे होने के कारण टारगेट को साधने में भी यह सक्षम है। संपूर्ण टैंक ऑटोमेटिक है। कलेक्टर मिश्रा ने टैंक का प्रदर्शन करते हुए देखा, बालक की प्रतिभा को देखकर अचंभित हुए तथा जिला शिक्षा अधिकारी ज्ञानेश्वर ओझा को यह प्रोजेक्ट शासन को इंस्पायर अवार्ड हेतु भेजने के निर्देश दिए। तथा प्रतिभाशाली बालक तनवीर की मुक्त कंठ से तारीफतथा शुभकामनाएं व्यक्त की

चिंतामणि रत्न जैसा मानव जीवन हम प्रमाद में खो रहे हैं - मुनिराज श्री रजतचंद्र विजयजी मसा

माही की गूंज, झाबुआ।

गच्छाधिपति आचार्य देव श्रीमद्विजय ऋषभचंद्र सूरीश्वरजी महाराजा के शिष्य मुनिराज श्री रजतचंद्र विजयजी मसा आदि ठाना का ज्ञान, ध्यान, तप, जप, आराधना से संपन्न मंगलमय चातुर्मास चल रहा है।

ऋषभदेव 52 जिनालय पौषधशाला झाबुआ में निरंतर धर्म की गंगा प्रवाहित हो रही है। मालवरत्न मधुर प्रवचनकार मुनिराज श्री रजतचंद्र विजयजी मसा ने सिंदूर प्रकार ग्रंथ के आधार से मानव जीवन की दुर्लभता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चिंतामणि रत्न जैसा मानव जीवन हम प्रमाद में खो रहे हैं। संसार की मोहदशा में सोए हुए हैं। संसार के प्रपंचों से नींद खुलती नहीं है। ऐसी अवस्था में धर्म वाणीहमें जगाती है। मानव जीवन की दुर्लभता 10 दृष्टांत से शास्त्रों में वर्णित है। उनमें से एक श्चोल्लक दृष्टांतश् पर मुनिश्री ने विस्तर्ति समझाया और बताया की मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है।

हजार काम छोड़कर धर्म ध्यान करना चाहिए

मुनि श्री ने आगे कहा कि मौत के बाद साथ में ना आने वाले चीजों के लिए बहुत समय है और मौत के बाद आने वाले धर्म के लिए बिल्कुल समय नहीं है। कैसा दुर्भाग्य है। मुनि श्री ने कहा सो काम छोड़कर शरीर का ध्यान देना चाहिए, लेकिन हजार काम छोड़कर धर्म ध्यान करना चाहिए। धर्म वो दीपक है जिससे हम संसार रुपी भव अटवी में भटकने से बच जाते हैं। मनुष्य जीवन को सफल बनाने की कला आनी चाहिए। सबसे मधुर तथा आत्मीयता से व्यवहार करें सबका दिल जीतना चाहिए। शब्दों को सोच कर बोलना चाहिए शब्द से महाभारत रचना भी हो जाती है। शब्द घाव करते हैं और वही शब्द औषधि भी बनते हैं। भाव से भव कम हो जाते हैं। अच्छी भावना भाकर मानव जीवन का कल्याण करना चाहिए। अंत में प्रभु गौतम स्वामीजी की आरती समाज रत्न सुभाष कोठारी परिवार ने उतारी और प्रभावना मांगुबेन सक्लेचा और कमलेश कोठारी परिवार ने वितरित की। गौतम गणधर लब्धी तप के तपस्वियों को पारणा कराने का लाभ जसू बेन परिवार और मनोज जैन मनोकामना परिवार ने लिया।

आगामी आयोजन

चातुर्मास समिति अध्यक्ष सुभाष कोठारी और सचिव उत्तम लोढ़ा ने आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 13 अगस्त को श्रावण सुदी पंचमी को भव्य रुप से 22 वें तीर्थंकर परमात्मा नेमिनाथ प्रभु का जन्म कल्याणक मनाया जाएगा। ठीक प्रातः 9 बजे जन्म कल्याणक की शुरुआत होगी। कल्याणक प्रस्तुति आशिष जैन (अहमदाबाद) देंगे। ढाई घंटे तक यह उत्सव मनाया जाएगा। 14 स्वप्न दर्शन, 56 कुमारी गीत तथा पालना जी झुलाने के आयोजन होंगे। इस आयोजन का संपूर्ण लाभ मनोहरमलजी छाजेड़ परिवार झाबुआ पारा वाले को प्राप्त हुआ।

सकल व्यापारी संघ स्वतंत्रता दिवस के अनूठे कार्ड का हुआ विमोचन

शहर के हृदय स्थल राजवाड़ा पर सुबह 8.30 बजे फहराया जाएगा ध्वज

माही की गूंज, झाबुआ।

सकल व्यापारी संघ झाबुआ द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया जाएगा, लेकिन इस वर्ष कोरोनाकाल के कारण प्रभात फैरी नहीं निकालते हुए केवल गरिमामय रूप से शहर के हृदय स्थल राजवाड़ा पर सुबह 8.30 बजे झंडावदन कर राष्ट्रगान किया जाएगा। उक्त आयोजन की आमंत्रण पत्रिकाओं का विमोचन मंगलवार को शहर के मध्य आजाद चौक पर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अनूठी आमंत्रण पत्रिकाओं में व्यापारी संघ द्वारा विगत 6 वर्षों में किए गए कार्यों का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया है। साथ ही यह आमंत्रण पत्रिका शहर के व्यापारियों को मिष्ठान और नमकीन के पैकेट के साथ प्रदान की जाएगी।

सर्वप्रथम आजाद चौक पर आमंत्रण पत्रिका का विमोचन से पूर्व शुभारंभ सकल व्यापारी संघ के वरिष्ठ संरक्षक राजेन्द्र यादव ने देश के वीर सपूत शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। बाद सभी ने भारत माता और वंदे मातरम् के साथ आजाद अमर रहे... अमर रहे... के सामूहिक जयघोष भी लगाए। जिसके बाद सकल व्यापारी संघ अध्यक्ष नीरजसिंह राठौर तथा सचिव पंकज जैन ने बताया कि व्यापारी संघ द्वारा इस वर्ष आमंत्रण पत्रिकाओं को नवीन रूप प्रदान करते हुए इसमें संस्था द्वारा विगत 6 वर्षों में किए गए कार्यों का उल्लेख किया गया है।

– संगठन की अनूठी आमंत्रण पत्रिकाओं को विमोचन करते हुए समस्त पदाधिकारी सदस्य

कोरोनाकाल में रेकार्ड तोड़ कार्य किए

सकल व्यापारी संघ के सहसचिव हरिश शाह लालाभाई तथा कोषाध्यक्ष राजेश शाह ने बताया कि इसके अलावा कोरोना के अत्यधिक संकटकाल में प्रथम वर्ष 2020 में मार्च माह से झाबुआ शहर में जरूरतमंदों को 53 हजार भोजन के पैकेट का वितरण, गुजरात तथा राजस्थान से पलायन पर लौटे करीब 42 हजार 500 महिला-पुरूषों को गुजरात तथा राजस्थान की सीमा पर दलिया, खिचड़ी, दाल-चावल का वितरण, 7 हजार 500 कपड़े से निर्मित तथा 2 हजार डिस्पोजल मास्क का वितरण, कोरोनाकाल करीब 350 प्रतिष्ठानों के बाहर गोले घेरे बनाकर तथा शारीरिक दूरी का व्यापक प्रचार-प्रसार, प्रचार रथ के माध्यम से शहर में लगभग 20 दिनों तक कोरोना नियमों का पालन करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार, प्रथम लॉकडाउन में 350 स्थायी तथा अस्थायी व्यापारियों को पास दिलवाकर सामग्रीयों की होम डिलेवरी की गई, 10 वाहनों के माध्यम से ग्रामीण अंचलों में किराना सामग्रीयां पहुंचाना, मूक पशु-पक्षियों के लिए करीब 25 स्थानों पर 2 माह तक घूघरी, चावल, चुरी-पानी की व्यवस्था, कोरोना से बचाव हेतु 2 हजार स्टीकर प्रतिष्ठानों तथा अन्य जगह चस्पा किए गए। इसी प्रकार द्वितीय वर्ष 2021 में अब तक 5 हजार भोजन पैकेट का अस्पतालों में वितरण, 'मास्क नहीं तो सामान नहीं' स्टीकरा के माध्यम से जनजागृति अभियान, 2 हजार मास्क का निरूशुल्क वितरण, 50 हजार कोरोना रक्षा पोटलियों का शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घरों में वितरण, प्रचार रथ के माध्यम से 10 दिनों तक जनजागृति तथा चार वैक्सीनेशन महाकैंप लगाकर लगभग 2600 व्यक्तियों को टीकाकरण के आयोजन किए गए। आमंत्रण पत्रिकाओं के गरिमामय विमोचन अवसर पर सकल व्यापारी संघ के वरिष्ठजनों में अशोक शर्मा, मनोज बाबेल, शिरिश शाह, नितेश कोठारी, मुकेश नीमा, देवेन्द्र शाह, छाजेड़, अजयसिंह पंवार, अब्दुल रहीम 'अब्बु दादा सहित अन्य पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित थे।

गूंज का असर...

दो वर्ष पहले फूटे तालाब की जांच करने पहुंचे अधिकारी

सरपंच की जगह पहुंचे शिक्षक, सरपंच पति ने पंचनामे पर किए हस्ताक्षर, अधिकारी ने कहा सभी पर होगी कार्रवाई

माही की गूंज, पेटलावद/बामनिया।

माही की गूंज अखबार के पिछले अंक में प्रमुखता से प्रकाशित समाचार ÷दो वर्ष से फूटा पड़ा तालाब, न तालाब बना न ही भ्रष्टों पर हुई कार्रवाई÷, ÷भाजपा की जिला मंत्री व पंचायत सरपंच रामकन्या मखोड पर कौन करेगा कार्रवाई÷ के बाद अधिकारी हरकत में आए और सोमवार को जांच दल जिला परियोजना अधिकारी मनरेगा मनोज भारस्कर के नेतृत्व में बामनिया पहुँचा। जांच दो वर्ष पहले तालाब बनने के बाद पहली ही बारिश में फूटे तालाब की जाँच दल में अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और उपयंत्री नीरज पांचाल पहुँचे और इंच टेप से पूरे निर्माण की जांच की। हालांकि जांच दल ने मौके पर बनाए पंचनामे में तालाब के फटने को लेकर घटिया निर्माण संबधी कोई बात नही लिखी। उक्त घटिया निर्माण की शिकायत सीएम हेल्पलाइन और कलेक्टर को करने वाले यशवंत डामर को भी जांच दल ने मौके पर बुलाया था।

सरपंच को बुलाया मौके पर, पहुँचा शिक्षक सरपंच पति, कर दिए पंचनामे पर हस्ताक्षर

कहने को तो ग्राम पंचायत की सरपंच रामकन्या मखोड पढ़ी-लिखी और शिक्षित है। जो राजनीति में सक्रिय होने के चलते भाजपा जिला मंत्री तक बन चुकी है। लेकिन सरपंच रामकन्या मखोड के शिक्षक पति को पत्नी की सफलता ज्यादा रास नही आ रही है और ग्राम पंचायत के ज्यादातर कार्यो के लिए सरपंच पति से संपर्क करना होता है या उनके अनुमति के बाद ही पंचायत के काम होते है। मनरेगा योजना में बने तालाब की जांच पर पहुँचे दल ने ग्राम पंचायत सरपंच को भी मौके पर बुलाया, पहले तो ग्राम पंचायत की ओर से जांच दल को ग्राम पंचायत में बैठकर बात करने को कहा गया और नही मानने पर मौके पर उपसरपंच के साथ सरपंच की जगह सरपंच के शिक्षक पति पहुँचकर जांच दल से चर्चा करने लगे। इतना ही नही सरपंच के शिक्षक पति को जब अपनी संस्था में होना था तब वो जांच दल के पंचनामे पर हस्ताक्षर कर रहे थे। इस तरह की कार्रवाई में किसी शासकीय कर्मचारी के हस्ताक्षर करने का ये पहला मामला होगा, जो ये प्रमाणित करता है कि महिला सरपंच के कार्य न केवल उनके पति संभालते है बल्कि शासकीय कर्मचारी होकर भी अपना मूल कार्य छोड़कर ग्राम पंचायत के कार्यो में हस्तक्षेप करते है।

– मौके पर जाँच करने पहुँचे अधिकारी।

– पंचनामे को पढ़ते ग्राम पंचायत उपसरपंच, गोल घेरे में सरपंच पति शिक्षक संजय मखोड।

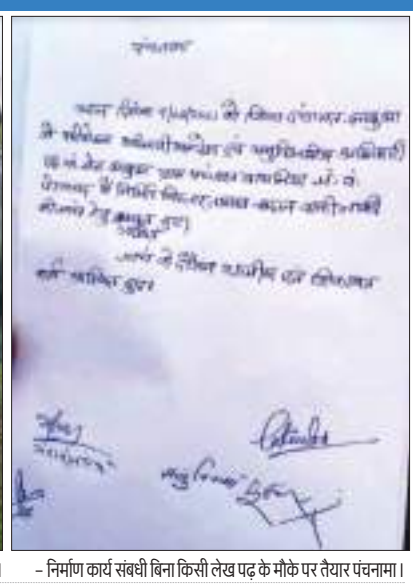

– निर्माण कार्य संबधी बिना किसी लेख पढ़ के मौके पर तैयार पंचनामा।

अधिकारी ने कहा शिकायत सही सभी पर होगी कार्रवाई, रिकॉड देखकर प्रतिवेदन में देगे जानकारी

जाँच में बनाए पंचनामे पर जांच दल में शामिल अधिकारियों में से जिला परियोजना अधिकारी मनोज भारस्कर ने बताया कि, मौके पर केवल जांच दल की उपस्थिति का पंचनामा बनाया गया है। तालाब निर्माण की एमबी सहित मस्टर, बिल की जानकारी लेकर जांच प्रतिवेदन बनाया जाएगा। अधिकारी ने मौका निरीक्षण के बाद साफ कहा कि, निर्माण कार्य को लेकर की गई शिकायत व समाचार बिल्कुल सही है। निर्माण कार्य मे भारी भ्रष्टाचार ओर अनियमित्ता की गई है और कार्य से जुड़े सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, उपयंत्री पर भी कार्रवाई होगी साथ राशि भी वसुली जाएगी।

राजनीतिक स्तर पर दबाया जाएगा मामला, कलेक्टर पर भी होगा भारी दबाव

ये तय है कि, मामला सत्ता पक्ष के साथ-साथ भाजपा के संगठन से भी जुड़ा होने के कारण जमकर राजनीति होगी। अधिकारियों पर ग्राम पंचायत पर कार्रवाई नही करने का भारी दबाव भी डाला जाएगा। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शिकायत और समाचार के बाद कार्रवाई करने की उम्मीद आम जनता में जरूर जगाई है, लेकिन इसका अंत कहाँ होगा ये देखना दिलचस्प होगा। ग्राम पंचायत की सरपंच भाजपा जिला मंत्री है तो भाजपा के पेटलावद मण्डल अध्यक्ष भी बामनिया से ही आते है। भ्रष्टाचार मुक्त भारत देने का दावा करने वाली भाजपा के सरपंच ही नही बल्कि संगठन के जिम्मेदार पद पर बैठे लोग ही भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे है। ऐसे में विकास खण्ड सहित जिले व्याप्त भ्रष्टाचार पर फिलहाल कोई लगाम लगेगी ये सम्भव नही दिखाई दे रहा है।

परिवार गया था सांवरिया सेठ के दर्शन करने, चोरों ने किया घर साफ

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद थाना क्षेत्र की करवड़ चौकी में अंतर्गत ग्राम करवड़ में सवारियां सेठ के दर्शन गए परिवार के सुने घर को चोरो ने निशाना बनाकर लाखो की चोरी को अंजाम दे दिया। मंगलवार को करवड़ पुलिस चौकी में आवेदन देते हुए कैलाशचंद्र पिता शंकरलाल निवासी करवड़ ने बताया, पूरे परिवार सहित राजस्थान सवारियां जी दर्शन करने गए थे, जहां से मंगलवार सुबह 4 बजे लौटे तो देखा घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा था और पूरे घर का सामान बिखरा पड़ा मिला। जिसके बाद घर देखा तो घर मे रखे नगदी, रकम ओर महंगे सामान गायब मिला। साथ ही पास में माता जी के मकान का ताला भी टूटा मिला और सामान गायब मिला। परिवार के मुताबिक चोर घर मे रखी लाखो की रकम, नगदी ले गए। जिसमे सोने-चांदी के आभूषण ओर 50 हजार नगदी बताया जा रहे है।

जानकारी अनुसार नगदी और रकम और भी अधिक हो सकती है। पिछले कई दिनों से करवड़ क्षेत्र में छोटी-मोटी चोरी की वारदात हो रही थी, जिस पर पुलिस ने कोई विशेष ध्यान नही दिया। जिसके चलते चौरो के बढ़ते हौसलों के कारण बड़ी वारदात को अंजाम दे दिया। चोरी की इस घटना के बाद ग्राम में भय व्याप्त है।

बोलासा का युवक कामन लॉ एडमिशन टेस्ट में चयनित

माही की गूंज, बनी। पेटलावाद के ग्राम बड़ा बोलासा निवासी आदर्श पिता कैलाश वसुनिया को आल इंडिया लेवल पर प्रतिवर्ष होने वाली परीक्षा ÷सीएलएटी÷ कामन लॉ एडमिशन टेस्ट में चयनित होने पर मित्रों व परिजनों ने बधाई दी। आदर्श ने आल इंडिया केटेगरी में 580 रैंक व मध्यप्रदेश में 64 वी रैंक हासिल की है। आदर्श का बचपन से ही ÷न्यायिक सेवा÷ में जाने का लक्ष्य है। अब वे अपने उद्देश्य की और अग्रसर हो रहे है। चयनित होकर प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी जबलपुर के प्रतिष्ठित शासकीय विधि संस्थान ÷धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जबलपुर÷ में अध्ययन करेंगे। भविष्य में विधि विभाग में पदस्थ होकर जरूरतमंद व वंचित गरीब वर्ग के लिए निःशुल्क कानूनी लड़ाई लड़कर उनके हक अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। आदर्श अपनी इस सफलता का श्रेय अपने इंदौर स्थित विद्यालय ÷माउंट लिटेरा ज़ी स्कूल'' के प्राचार्य, गुरुजनों, माता-पिता व परिवार को देते है। आदर्श के पिता कैलाश वसुनिया विज्ञान के शिक्षक है व माता श्रीमती संतोष वसुनिया सामाजिक कार्यकर्ता है।

नल-जल योजना के ठेकेदार की लापरवाही और मनमानी का खामियाजा भुगत रहे ग्रामीण

माही की गूंज, अमरगढ़।

विकास खण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायत अमरगढ़ में नल-जल योजना के ठेकेदार की लापरवाही आए दिन आम जनता और वाहन चालकों को भारी पड़ती जा रही है। अमरगढ़ में बिछाई जा रही पाइपलाईन के लिए गड्डो को केवल दिखावे के लिए ठेकेदार द्वारा भरा जा रहा है, जिससे मार्ग से गुजरने वाले छोटे-बड़े वाहन खोदी गई नालियों में फस रहे है। रविवार को ठेकेदार की लापरवाही के कारण बड़ा हादसा होते-होते रह गया। एक ट्रक रोड किनारे बनी नाली में उतर गया, गनीमत रही कि ट्रक पानी के होज पर टिक गया वर्ना जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था। जब ट्रक यहां से गुजर रहा था तब पशु भी खड़े थे जिनकी ट्रक के पलटने से दबकर मौत हो सकती थी। पीएचई विभाग की देख-रेख में ठेकेदार द्वारा पाइपलाईन नल-जल योजना में डाली जा रही है। जो कि खुली होने के कारण 4 महीने से पानी तो नहीं मिल रहा है, लेकिन मुख्य मार्ग पर रहने वाले लोगो पर आए दिन किसी भी दुर्घटना का डर लगा रहता है।

केमिकल प्लांट से निकलने वाले दूषित जल व जहरीले पदार्थ से जल, जंगल और जमीन हो रहे खराब

पशु-पक्षी बन रहे काल का ग्रास

माही की गूंज, मेघनगर। भूपेंद्र जैन

नगर में कई वर्षों से चल रहे केमिकल प्लांट से नगर के आस-पास के क्षेत्र की जमीन तो खराब हो ही रही है, किंतु क्षेत्र में पीने का पानी भी दूषित हो रहा है। वर्तमान में क्षेत्र में पानी की कई वर्षों से समस्या है, नगर के लोगों को पीने का पानी हेडपंप, कुप आदि से लाना पड़ता है। वहीं केमिकल प्लांट से निकलने वाला दूषित जहरीला पानी मेघनगर के औद्योगिक क्षेत्र में छोड़ दिया जाता है, उक्त पानी जमीन में रिसकर हेडपंप और कुप के जरिए लोगों के घरों तक पहुंच रहा है और यह पानी नगर के पीने में और घर की आवश्यकता में उपयोग हो रहा है। जिससे आने वाले समय में नगर में लोगों को कई तरह की बीमारियों से जूझना पड़ सकतास है। औद्योगिक क्षेत्र के जंगल में कई तरह के वन्य जीव प्राणी इस जल को पीने से काल का ग्रास बन रहे हैं और आस-पास के क्षेत्र की खेती की उपजाऊ जमीन बंजर बनती जा रही है। वर्तमान व पूर्व में जनप्रतिनिधि आए और गए, परंतु मेघनगर के केमिकल प्लांट का कुछ भी नहीं कर पाए और तो और फैक्ट्रियां तो बढ़ती ही जा रही है। इनसे निकलने वाले दूषित जल से पशु-पक्षी के साथ जमीन और मेघनगर के आमजन और आने वाली पीढ़ियों को गंभीर बिमारियों से गुजरना पढ सकता है। जब से केमिकल प्लांट लगे हैं उसके बाद से इनका प्रभाव लोगों को खुजली, दमा एवं पेट के कई तरह के रोग के रूप में खि रहा हैं। सुबह-सुबह नगरवासी मॉर्निंग वॉक व घूमने के लिए औद्योगिक क्षेत्र की ओर जाते थे परंतु अब उस क्षेत्र की ओर नगर के लोगों ने जाना ही बन्द कर दिया है। केमिकल फेक्ट्रियो द्वारा जहरीले दूषित पानी को न तो पुनः उपयोग लायक लायक बनाया जाता है न ही इसका सही से निस्तार किया जाता है। वहीं फैक्ट्रियों से निकलने वाली गैस और दूषित जहरीला पानी कई बीमारी और महामारी का आमंत्रण देता नजर आ रहा है।

उद्यान उजाड़ने में नगर परिषद को मिली सफलता

एक करोड़ से अधिक लागत से बना था उद्यान, भाजपा परिषद ने बदला नाम

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

कांग्रेस शासन काल में एक करोड़ से अधिक की लागत से जिस उद्यान को नगर की जनता के लिए विकसित किया गया था, उद्यान में बच्चो के लिए झूला-चकरी, रेल आदि मनोरंजन व खेलकूद की लाखों की सामग्री लगाई गई थी। उद्यान को भाजपा की परिषद के कार्यकाल में जनता के लिए उद्यान के द्वार खोलने के बजाए जेसीबी चलाकर उजाड़ देने का कार्य करने में परिषद सफल हो गई।

जबकि भाजपा की पूर्व परिषद ने नगर पंचायत पर विजय पताका फहराते ही सबसे पहले 2016 मे उद्यान का नामकरण संघ संचालक केशवराव बलिराम हेडगेवार के नाम पर केशव उद्यान कर दिया था। धूमधाम से नामकरण के लिए समारोह आयोजित किया गया था, जिससे नगर की जनता को यह लगा था कि, अब यह केशव उद्यान जनता के लिए खुल जाएगा व बच्चो के मनोरंजन के लिए एक अच्छा स्थान साबित हो जाएगा। परन्तु जनता की आशा निराशा में बदल गई।

परिषद ने वादे के विपरीत किया कृत्य

नवीन परिषद पुनः जब भाजपा की बनी, तब एक बार फिर जनता को इसलिए आस बंधी थी कि, जब मीडिया के ÷खुले मंच÷ आयोजन में भाजपा प्रत्याशी ने जनता के प्रश्न पर यह घोषणा की थी कि, प्राथमिकता से सबसे पहले केशव उद्यान जनता व बच्चो को समर्पित किया जाएगा। नवीन परिषद ने भी घोषणा के चार वर्ष बीत जाने के बाद भी अपने कार्यकाल के इस अंतिम वर्ष में केशव उद्यान को शुरू करने के बजाए उद्यान के नाम के विपरीत बट्टा लगाते हुए मशीनो से उजाड़ने का कार्य किया। जिसका विरोध भी किया गया परंतु पगर परिषद इस उद्यान को उजाड़ने में सफल हो गई।

ये जनता है जो सब जानती है

परिषद के इस कृत्य के पीछे छिपे रहस्य को नगर का हर वर्ग सब कुछ समझता है। परन्तु जब नगर परिषद में सदस्यों के बहुमत वाली कांग्रेस ही मुर्दार होकर मोन हो गई तो आमजनता क्या करे...? मीडिया ने जनहित, नगरहित, शासनहित में न केवल आमजन व कांग्रेस को जागरूक करने की महती भूमिका अदा की। वरन् शासन स्तर पर भी आपत्ति दर्ज कर स्थगन आदेश जारी करवाया। परन्तु राजनीति दबाव प्रभाव के चलते सत्ता के नशे में मदमस्त परिषद के आगे प्रशासन का स्थगन आदेश भी मात्र कागजी दिखावा आदेश साबित होकर रह गया और केशव उद्यान पर निर्माण के स्थगन के बावजूद सड़क निर्माण कार्य व जेसीबी चलती रही।

राजनीति दबाव में कुचला प्रशासन का आदेश

नगर परिषद ने एक करोड़ से अधिक की राशि से निर्मित उद्यान को केशवराव हेगड़ेवार के नामकरण अनुरूप उसे जीवित रखने के कार्य करने के बजाए लगातार उपेक्षा व रखरखाव मे लापरवाही बरतती रही। उक्त उद्यान के बन्द रहते, उसके विकास के नाम पर लाखों की राशि भी खर्च होना बताई, जबकि उक्त उद्यान विकसित होने या जनता के लिए खुलने के बजाए अपना अस्तित्व खोता रहा। उद्यान को विकसित करने और जनोपयोगी बनाने के लिए वर्तमान परिषद ने इच्छाशक्ति नही दिखाई। ऐसा क्या स्वार्थ रहा कि, प्रशासन के तमाम आदेशो की धज्जियां उडाते हुए नगर परिषद ने आखिरकार केशव उद्यान को जेसीबी चलाकर उजाड दिया। उक्त केशव उद्यान का स्वरूप बिगाडकर रास्ता बनाए जाने की सुगबुगाहट काफी समय से चल रही थी, जो समाचार पत्रों की सुर्खियों व सोशल मीडिया के साथ नगर में जनचर्चा का विषय भी बनी हुई थी। इस संबध मे शिकायत कलेक्टर व उपसंचालक नगरीय प्रशासन विभाग को भी दर्ज करवाई थी, जिसपर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने एसडीएम थांदला को तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। जिस पर एसडीएम ज्योति परस्ते ने 28 जुलाई को स्थगन आदेश पारित कर 6 अगस्त को समस्त दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु मुख्य नगरपालिका अधिकारी को आदेशित किया था। साथ ही अधीक्षण यंत्री नगरीय प्रशासन ने 2 अगस्त को मुख्य नगरपालिका अधिकारी को पत्र जारी कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करने हेतु निर्देशित किया था। लेकिन नगर परिषद ने सभी आदेशो को धता बताते हुए न केवल उद्यान के पीछे सीसी रोड का निर्माण कर दिया, अपितु बगीचे के एक दक्षिणी भाग के हरे-भरे वृक्षो को काटकर जेसीबी से समतल कर रोड निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया।

केशव उधान पर चली जेसीबी।

बालेश्वरदयाल उद्यान जीवित, केशव उद्यान मृत

गौरतलब है कि, नगर मे दो उधान निर्मित है। एक मामा बालेश्वरदयाल के नाम पर एसडीएम निवास के सामने तथा दूसरा केशव उद्यान नेचरल गोल्ड के सामने स्थित है। उल्लेखनीय है कि, मामा बालेश्वरदयाल उद्यान 1989 में बनाया गया था तथा नवीन उधान का निर्माण वर्ष 2004 मे कांग्रेस के तत्कालीन नगर परिषद अध्यक्ष स्व. बाबुलाल चौहान और तत्कालीन विधायक स्व. रतनसिंह भाबर के विशेष प्रयासो से करीब 1 करोड 40 लाख की लागत से सर्वसुविधा से परिपूर्ण बनाया गया था।

उक्त उन्नत उद्यान का निर्माण मिट्टी कारपोरेशन ने किया था, जिसमे औषधीय पैड़-पौधो के साथ बच्चो के झुले, चकरी, ड्रेगन झुला व बच्चो की रेल भी स्थापित की गई थी। पूर्व परिषद ने 2016 में उद्यान का नामकरण संघ सचालक केशवराव हेडगेवार के नाम पर किया था।

केशव उद्यान के स्वरूप को बिगाड़ने का कुत्सित प्रयास

पिछली परिषद के कार्यकाल मे भी उद्यान के बाहर दुकानो का निर्माण किया जा रहा था, जिसका काफी विरोध हुआ था उसके बाद परिषद को दुकान निर्माण कार्य बंद करना पडा था। किन्तु वर्तमान परिषद उद्यान के पीछे निर्जन स्थान पर सामुदायिक भवन निर्माण कर उसके पहुंच मार्ग बनाने के नाम पर उद्यान के पीछे विकसित होने वाली कॉलोनी को लाभ पहुंचाने के दृष्टिगत उद्यान के स्वरूप को बिगाडा रही है। जबकि सामुदायिक भवन पर पहुंच मार्ग के नाम पर उधान व संस्कार स्कुल के बीच में पूर्व से ही सड़क मार्ग है, फिर भी लाखो की लागत से सीसी सड़क का निर्माण कर जनधन का दुरुपयोग किया गया है। उसके बावजूद भी उद्यान के अंदर से अग्र भाग में एक ओर सड़क निर्माण कर उजाडना औचित्यहीन प्रतीत होता है। नगर मे ऐसा कोई स्थान नही है, जहाँ भविष्य मे नए उद्यान बनाए जा सके।

मामले में वार्ड क्र. 2 के पार्षद व नेता प्रतिपक्ष लक्ष्मण राठौड का कहना है कि, प्रभारी सीएमओ अशोकसिह चौहान से स्थगन के बावजूद कार्य किए जाने के संबध मे पूछने पर उन्होने कोई जवाब नही दिया, वही उपयंत्री पप्पू बारीया स्वास्थ खराब होने की वजह से छुटटी पर चले गए। नगर मे लोगो के मनोरंजन के कुछ ही साधन है यदि उनको भी खत्म कर दिया जाएगा तो लोग कहां जाएंगे, परिषद का यह कार्य बेहद निदंनीय है।

वही एसडीएम थांदला ज्योति परस्ते का कहना है कि, स्थगन आदेश के बावजूद कार्य करने की रिपोर्ट तहसीलदार से मांगी गई है, रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वार्ड क्र. 11 के पार्षद आनंद बाबुदादा चौहान का कहना है कि, मेरे पिताजी के कार्यकाल में नगर को मिली इस सौगात को नष्ट नही होने देंगे, बगीचे को बचाने के लिए जरूरत पड़ी तो आन्दोलन करेंगे।

स्थगन आदेश के बावजूद काम कर रही न.प.।

संपादकीय

जलवायु आपातकालः सरकारें की जवाबदेही से टलेगी तबाही

वैश्विक जलवायु में आसन्न खतरों की भयावहता इंगित करती इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज यानी आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट आंखें खोलने वाली है, जो बताती है कि, यदि वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी को रोकने के लिये गंभीर पहल अभी नहीं की गई तो मानवता को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। चिंता जतायी जा रही है कि, भारत में चालीस करोड़ ऐसे लोगों की जीविका और जीवन संकट में पड़ सकता है, जिनका रोजगार पर्यावरण से जुड़े संसाधनों पर निर्भर करता है। जलवायु परिवर्तन से धरती पर आसन्न खतरों को इंगित करती संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट उन आशंकाओं पर मोहर लगाती है जो आने वाले दशकों को लेकर चिंतित करती थी। निःसंदेह इस संकट के मूल में मानवीय हस्तक्षेप की बड़ी भूमिका है। दरअसल, यह संकट सिर्फ पर्यावरण का मसला ही नहीं है, यह करोड़ों लोगों के रोजगार से भी जुड़ा है, जिसके चलते जलवायु परिवर्तन प्रभावों पर नियंत्रण के लिए अलग मंत्रालय बनाने व सख्त नीतियों को लागू करने की जरूरत है। दरअसल, भारतीय भूभाग का आधा हिस्सा शुष्क जलवायु में आने के कारण गर्म हवाओं की जद में आ सकता है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि का जो आकलन पांचवें दशक के बाद किया गया था, उसका खतरा 2030 तक सामने आने की स्थिति बन गई है। जिसके 1.5 डिग्री से अधिक होने की आशंका है। निःसंदेह, तापमान वृद्धि के मूल में कार्बन डाइऑक्साइड व मीथेन जैसी गैसों की बड़ी भूमिका है, जो जीवाश्म ईंधनों के जलाये जाने से उत्पन्न होती है। इस मायने में तापमान वृद्धि में प्राकृतिक कारणों की भूमिका कम ही है। ऐसे में वर्ष 2015 के पेरिस जलवायु समझौते के अंतर्गत औद्योगिक काल के पूर्व की तुलना में सदी के अंत तक 1.5 डिग्री तक तापमान वृद्धि नियंत्रित करने का लक्ष्य पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। रिपोर्ट पूर्व में निर्धारित लक्ष्य के विपरीत दुनिया का तापमान 2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस का अनुमान पार करने का संकेत देती है।

दरअसल, दुनिया के 234 पर्यावरण वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट बताती है कि, वैश्विक तापमान बढ़ने से जहां दुनिया में ग्लेशियर पिघलेंगे, वहीं समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। सदियों से जमी बर्फ का क्षेत्र संकुचित होगा। इसके साथ ही भयावह लू, बाढ़, सूखा व चक्रवर्ती तूफानों की आवृत्ति में इजाफा होगा। तूफान ज्यादा घातक व तेज बारिश करने वाले होंगे। तीन हजार पेज की रिपोर्ट बताती है कि, वातावरण में मौजूद ग्रीन हाउस गैसों को कम करना तथा इसके घातक प्रभावों पर नियंत्रण भी आसान नहीं होगा। आईपीसीसी के स्वतंत्र वैज्ञानिक चेता रहे हैं कि, मौसम के मिजाज में जो तल्खी यूरोप व अमेरिका आदि के देशों में नजर आ रही है, वह दुनिया में बढ़ते तापमान का ही नतीजा है। इससे जीवन के साथ ही जीविका पर भी बड़ा संकट पैदा होगा। भारत में साढ़े सात हजार किलोमीटर समुद्र तट के किनारे रहने वाली आबादी के सामने मछली पालन व पर्यटन जैसे रोजगारों पर खतरे के बादल मंडराएंगे। वैज्ञानिक कह रहे हैं कि, जलवायु परिवर्तन संकट का मुकाबला सिर्फ पर्यावरण व वन मंत्रालय के जरिए ही नहीं किया जा सकता, इसके लिए अलग मंत्रालय की स्थापना करके संकट से निपटने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही दुनिया में उपलब्ध आधुनिक तकनीकों का हस्तांतरण और वित्तीय संसाधनों की भी व्यवस्था की जानी चाहिए। वैश्विक सौर सहयोग की तर्ज पर ही अंतर्राष्ट्रीय सहयोग लिया जाना चाहिए। तभी हम जलवायु परिवर्तन के रौद्र को किसी हद तक कम कर पाने में सफल हो पाएंगे। अन्यथा देश के मैदानी क्षेत्रों में आग बरसाती गर्मी का सामना लोगों को करना पड़ सकता है। साथ ही बारिश के औसत के साथ ही इसकी तीव्रता में भी वृद्धि होगी, जो बाढ़ की वजह बनेगी। यह बारिश तटीय इलाकों में अधिक देखी जाएगी। रिपोर्ट में प्रदूषण को भी तापमान वृद्धि के कारक के रूप में देखा गया है। आशंका है कि, सदी के अंत तक समुद्र के जलस्तर में एक मीटर की वृद्धि से देश की प्रमुख बंदरगाहों पर बड़ी तबाही की आशंका पैदा हो जाएगी।

गीत गाया पत्थरों ने : रामप्पा मंदिर

भारत ने एक बार फिर विश्व को अपनी ओर आकर्षित ही नहीं किया बल्कि अपनी संस्कृति और कला का लोहा भी मनवाया। तेलंगाना के रामप्पा मंदिर को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया जाना एक तरफ भारत के लिए गौरव का पल था तो विश्व के वैज्ञानिकों के लिए एक अचंभा भी था। दरअसल आज से लगभग 800 वर्ष पहले निर्मित रामप्पा मंदिर सिर्फ एक सांस्कृतिक धरोहर ही नहीं है बल्कि ज्ञान और विज्ञान से परिपूर्ण भारत के गौरवशाली अतीत का जीवित प्रमाण भी है। यह पत्थरों पर उकेरा हुआ एक महाकाव्य है। वो महाकाव्य जो 800 वर्षों से लगातार शान से भारत की वास्तुकला और विज्ञान की गाथा गा रहा है और अब तो इसके सुर विश्व के कोने कोने को मुग्ध कर रहे है। रामप्पा मंदिर का एक मंदिर से विश्व धरोहर बनने का यह सफर लगभग 800 वर्ष लंबा है जो शुरू हुआ था 1213 में जब तेलंगाना के तत्कालीन काकतीय वंश के राजा गणपति देव के मन में एक ऐसा शिव मंदिर बनाने की प्रेरणा जागी जो सालों साल उनकी भक्ति का प्रतीक बनकर मजबूती के साथ खड़ा रहे। यह जिम्मेदारी उन्होंने सौंपी वास्तुकार रामप्पा को और रामप्पा ने भी अपने राजा को निराश नहीं किया। उन्होंने अपने राजा की इच्छा को ऐसे साकार किया कि, राजा को ही मोहित कर लिया। इतना मोहित कि उन्होंने मंदिर का नामकरण रामप्पा के ही नाम से कर दिया। आखिर राजा मोहित होते भी क्यों नहीं, रामप्पा ने राजा के भावों को बेजान पत्थरों पर उकेर कर उन्हें 40 वर्षों की मेहनत से उसे एक सुमधुर गीत जो बना दिया था। जी हाँ, रामप्पा ने 40 वर्षों में जो बनाया था वो केवल मंदिर नहीं था, वो विज्ञान का सार था तो कला का भंडार था। यह कलाकृति एक शिव मंदिर है जिसे रुद्रेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। किसी शिल्पकार के लिए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है कि, उसके द्वारा बनाया गया मंदिर उसके नाम से जाना जाए। आज भी यह विश्व का शायद इकलौता मंदिर है जो अपने वास्तुकार के नाम पर जाना जाता है। मशहूर खोजकर्ता मार्को पोलो ने जब इसे देखा था तो इसे 'मंदिरों की आकाशगंगा का सबसे चमकीला सितारा' कहा था।

आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा क्या है इस मंदिर में? दअरसल जब इस मंदिर का अध्ययन किया गया तो वैज्ञानिकों और पुरातत्वेत्ताओं के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया कि इसका कला पक्ष भारी है या इसका तकनीकी पक्ष।

सबसे बड़ा प्रश्न यह था कि, यह चमत्कार है या विज्ञान कि 17 वीं सदी में जब इस इलाके में 7.7 से 8.2 रेक्टर का भीषण भूकंप आया था जिसके कारण इस मंदिर के आसपास की लगभग सभी इमारतें ध्वस्त हो गई थीं, लेकिन 800 वर्ष पुराना यह मंदिर ज्यों का त्यों बिना नुकसान के कैसे खड़ा रहा? इस रहस्य को जानने के लिए मंदिर से एक पत्थर के टुकड़े को काट कर जब उसकी जाँच की गई तो पत्थर की यह विशेषता सामने आई कि वो पानी में तैरता है! राम सेतु के अलावा पूरे विश्व में आजतक कहीं ऐसे पत्थर नहीं पाए गए हैं जो पानी में तैरते हों। यह अभी भी रहस्य है कि ये पत्थर कहाँ से आए क्या रामप्पा ने स्वयं इन्हें बनाया था? आज से 800 वर्ष पहले रामप्पा के पास वो कौन सी तकनीक थी जो हमारे लिए 21 वीं सदी में भी अजूबा है? आपको जानकर आश्चर्य होगा कि, इस मंदिर को उसका यह स्वरूप देने से पहले रामप्पा ने ऐसा ही एक छोटा सा मंदिर बनाया था जिसे हम आज के दौर में प्रेजेंटेशन मॉडल कहते हैं। इसके बाद ही रामप्पा ने इस रूद्रेश्वर मंदिर का निर्माण किया।

छः फुट ऊँचे सितारे के आकार के प्लेटफार्म पर बनाए गए 1000 पिलर वाले इस मंदिर की नींव सैंडस्टोन तकनीक से भरी गई थी जो भूकम्प के दौरान धरती के कम्पन की तीव्रता को कम करके इसकी रक्षा करती है। इसके अलावा मंदिर की मूर्तियों और छत के अंदर बेसाल्ट पत्थर प्रयोग किए गए हैं। अब यह वाकई में आश्चर्यजनक है कि वो पत्थर जिसे डायमंड इलेक्ट्रॉनिक मशीन से ही काटा जा सकता है वो भी केवल एक इंच प्रति घण्टे के दर से! कल्पना कीजिए आज से 800 वर्ष पहले भारत के पास केवल ऐसी तकनीक ही नहीं थी बल्कि कला भी बेजोड़ थी! इस मंदिर की छत पर ही नहीं बल्कि पिलरों पर भी इतनी बारीक कारीगरी की गई है कि जो आज के समय में भी मुश्किल प्रतीत हो रही है क्योंकि उन पत्थरों पर उकेरी गई कलाकृतियों की कटाई और चमक देखते ही बनती है। कला की बारीकी की इससे बेहतर और क्या मिसाल हो सकती है कि मूर्ति पर उसके द्वारा पहने गए आभूषण की छाया तक उकेरी गई है। आज 800 वर्षों बाद भी इन मूर्तियों की चमक सुरक्षित है। इससे भी बड़ी बात यह है कि पत्थरों की यह मूर्तियाँ थ्री डी हैं। शिव जी के इस मंदिर में जो नन्दी की मूर्ति है खड़ी मूर्ति है जो इस प्रकार से बनाई गई है कि, ऐसा लगता है कि नन्दी बस चलने ही वाला है। इतना ही नहीं इस मूर्ति में नन्दी की आंखें ऐसी हैं कि आप किसी भी दिशा से उसे देखें आपको लगेगा कि वो आपको ही देख रहा है। मंदिर की छत पर शिवजी की कहानियां उकेरी गई हैं तो दीवारों पर रामायण और महाभारत की। मंदिर में मौजूद शिवलिंग के तो कहने ही क्या! वो अंधेरे में भी चमकता है। आज एक बार फिर भारत की सनातन संस्कृति की चमक विश्व भर में फैल रही है।

डॉ. नीलम महेंद्र लेखक

विचार मंथल : चीन पर दबाव

सिद्धार्थ शंकर

भारतीय सेना द्वारा पूर्वी लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर अपने टैंकों की तैनाती शुरू करने के एक वर्ष से अधिक समय के बाद अब टैंक रेजिमेंटों ने इस क्षेत्र में ऑपरेशन चलाने के लिए कमर कस ली है। इसके तहत इस रेजिमेंट के जवानों ने इस क्षेत्र में 14 हजार फीट से 17 हजार फीट की ऊंचाई पर अपनी मशीनों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए अपनी मानक संचालन प्रक्रियाओं को और भी अधिक विकसित किया है। भारतीय सेना ने टी-90 भीष्म और टी-72 अजय टैंकों के साथ-साथ रेगिस्तान और मैदानी इलाकों में तैनात बीएमपी सीरीज इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल्स को भी इन ऊंचाई वाले स्थानों में बड़े पैमाने पर लाना शुरू कर दिया है। भारतीय सेना की यह कार्रवाई ऐसे समय हो रही है, जब 12वें दौर की बातचीत के बाद दोनों देशों ने सेनाएं पीछे हटाने का काम शुरू किया है। आज भारत के दबाव में चीन भले ही पीछे हट रहा हो, मगर उस पर एकदम से भरोसा नहीं किया जा सकता। वह कभी भी पलटवार कर सकता है। ऐसा हमने बीते एक साल में देखा है। भारतीय सेना ने पिछले साल टैंक शेल्टर सहित टैंक संचालन को और मजबूत बनाने के लिए एक बड़ा बुनियादी ढांचा बनाया है जिससे कि, सर्दियों के दौरान मशीनों को खुले में रखने से बचाव होगा। अब सेना इन टैंकों के रखरखाव पर जोर दे रही है, क्योंकि अत्यधिक सर्दियां रबर और अन्य भागों पर प्रभाव डाल सकती हैं। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख के फिंगर क्षेत्र और गालवान घाटी जैसे स्थानों पर चीनी सेना के आ जाने के बाद भारतीय सेना ने बड़ी संख्या में जवानों और मशीनों को शामिल करना शुरू कर दिया था। वहीं क्षेत्र में भारतीय सेना की सख्त कार्रवाई ने चीनियों को आक्रामक तरीके से आगे बढने से रोक दिया और इस प्रकरण में गलवान नदी घाटी में हिंसक झड़पें देखी गईं। हालांकि, अब 15 महीनों से तनातनी के माहौल में एक-दूसरे के आमने-सामने खड़ी भारत और चीन की सेनाओं का अब अपनी-अपनी जगहों पर लौट आना एक महत्वपूर्ण घटना है। दोनों देशों के उच्च अधिकारियों के बीच बारहवें दौर की हुई बातचीत के बाद इस पर सहमति बनी। यह बातचीत और घटनाक्रम इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है कि, न सिर्फ दोनों देशों ने अपनी सेनाएं वापस बुला ली हैं, बल्कि उस इलाके में बनाए सभी अस्थायी निर्माण भी हटा लिए गए हैं। लेकिन दिल्ली से सेना को साफ संकेत मिले हैं कि सेना पीछे की जाए, निगरानी में कोई कमी न रहे। पिछले छह महीनों में दोनों देशों के बीच यह दूसरा कदम है, जब उन्होंने अपनी सेनाओं को पीछे लौटने को कहा। फरवरी में पैंगोंग त्सो झील के दोनों छोरों पर से इसी तरह तनातनी समाप्त की गई थी। हालांकि अब भी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कम से कम चार जगहों पर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। उनमें देपसांग और हॉट स्प्रिंग को ज्यादा संवेदनशील माना जाता है। चीन ने उन क्षेत्रों से अपनी सेना हटाने से मना कर दिया है। मगर गोगरा से सेना हटाने के ताजा फैसले से उम्मीद बनी है कि, उन बिंदुओं पर भी सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे। पिछले वर्ष गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों में हिंसक झड़प होने की वजह से तनाव काफी बढ़ गया था। उसमें दोनों तरफ के कई सैनिक मारे भी गए थे, जिसे लेकर स्वाभाविक ही दोनों देशों के बीच रोष बढ़ गया था। खासकर भारत सरकार पर दबाव बनना शुरू हो गया था कि, वह अपना नरम रवैया छोड़ कर चीन के साथ कड़ाई से पेश आए। चीन ने भी उस इलाके में अत्याधुनिक हथियारों से लैस अपने सैनिकों की संख्या बढ़ानी शुरू कर दी थी। वह भारत के हिस्से वाले क्षेत्र में काफी अंदर तक घुस आया था। मगर इस तनातनी को दूर करने के मकसद से दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत का सिलसिला बना हुआ था। राजनीतिक स्तर पर भी इसे सुलझाने के प्रयास जारी रहे। उसी का नतीजा था कि फरवरी में लद्दाख क्षेत्र में चीन ने अपने कदम वापस खींचे थे। अभी देपसांग और हॉट स्प्रिंग को लेकर बातचीत का सिलसिला बना हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि वहां भी तनाव का वातावरण समाप्त करने में कामयाबी मिलेगी।

चांदी की चमक में कसमसाती अस्मिता

आलोक पुराणिक

चीजें बदल रही हैं, भारी बदलाव दिख रहे हैं सब तरफ स्वर्गीय राजीव गांधी के नाम पर रखे एक प्रतिष्ठित अवार्ड का नाम हॉकी के महान खिलाड़ी ध्यानचंद के नाम पर रख दिया गया है। नए अवार्ड का नाम हैकृमेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड।

बदलाव कई फ्रंट पर चल रहे हैं। सरकारों के पास पैसा कम हो रहा है और इसलिए सरकारें स्पांसरशिप का सहारा ले रही हैं। दिल्ली में मेट्रो

स्टेशनों के नाम तमाम कंपनियों और ब्रांडों के नामों पर रखे जा रहे हैं। दिल्ली के प्रख्यात चौराहे आईटीओ चौराहे पर स्थित मेट्रो स्टेशन का नाम जेके टायर के नाम पर है। दिल्ली में आईआईटी के पास के मेट्रो स्टेशन का नाम एक कोचिंग संस्थान के नाम रखा गया था। सरकारों के पास पैसा न है, स्टेशन स्पांसरों के नामों पर हो रहे हैं और अवार्डों के साथ भी ऐसा ही हो सकता है।

फिल्म उद्योग से जुड़ा एक बड़े अवार्ड का ताल्लुक बड़ी फिल्मी पत्रिका से था। अवार्ड तो चल रहा है अब भी, पर अब पान-मसाले से जुड़ा है उस अवार्ड का नाम। वजह साफ है कि यह पान-मसाला ही उस अवार्ड को स्पांसर करता है।

कुछ ऐसा न हो जाए मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड के साथ, पता लगे कि कुछ वर्षों बाद यह टैनी खैनी मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड हो जाए। टैनी खैनी वाले स्पांसर कर देंगे अवार्ड की रकम। रकम जो देगा, उसका नाम तो लेना ही होगा। ध्यानचंद के साथ खैनी का नाम जुड़ जाए, ऐसे दिन न देखने पड़ें, पर किया क्या जा सकता है। स्पांसरों की अपार महिमा है। अमेरिका में बड़े विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों के नाम के आगे उन ब्रांडों का नाम लगाया जाता है, जो उन प्रोफेसरों की सेलरी को स्पांसर करते हैं। मतलब किसी प्रोफेसर का नाम कुछ यूं हो सकता हैकृपेप्सी प्रोफेसर ऑफमार्केटिंग डेविड स्टाक्स, यानी इन प्रोफेसर साहब की सेलरी का भुगतान पेप्सी वाले करते होंगे।

टैनी खैनी के बाद कोई पिज्जा भी नंबर लगा सकता है, गोमिनो पिज्जा मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड भी हो सकता है। संभावनाएं अपार हैं पर डर उनसे ज्यादा है।

गाती है मल्हार जिंदगी पल-पल सावन होता है! चिंतन का आधार मिले तो, यह जग पावन होता है!

श्रीगोपाल नारसन

गाती है मल्हार ज़िंदगी, पल-पल सावन होता है! प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. योगेंद्रनाथ शर्मा अरुण की ये पंक्तियां आध्यात्मिकता और प्रकृति का ऐसा संगम है जिसमे से तीज की खुशी झांकती नज़र आती है। हरियाली तीज का विशेष महत्व है, इस दिन सुहागिनें व्रत रखकर अपने पति की लंबी आयु और स्वयं अखंड सौभाग्यवती बने रहने के लिए भगवान शिव और मां पार्वती का पूजन करती हैं। हरियाली तीज का उपवास सावन मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रखा जाता है। इस तिथि को ही माता पार्वती और भगवान शिव को दोबारा मिलन हुआ था। इसलिए इसे सुखद उत्सव के रूप में मनाया जाता है। लड़कियां यह उपवास मन वांछित वर की प्राप्ति के लिए रखती है।

हरियाली तीज उपवास की पूजा 11 अगस्त को सुबह 4 बजकर 24 मिनट से 5 बजकर 17 मिनट तक, उसके बाद दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 7 मिनट तक की गई। इस दिन रवि योग भी बना, ये सुबह 10 बजकर 42 मिनट से शुरू होकर रात तक रहा। हरियाली तीज उपवास पूजा के लिए पीला वस्त्र, केला के पत्ते, जनेऊ, कच्चा सूत, नए वस्त्र, बेलपत्र, धतूरा, भांग, कपड़ा, एक जोड़ी जनेऊ/यज्ञोपवीत भगवान शिव और गणेश जी को चढ़ाए और मां पार्वती को एक हरी साड़ी, सुहाग का 16 श्रृंगार सामान से माता पार्वती की पूजा की। 16 श्रृंगार में सिंदूर, बिंदी, बिछुआ, मेहंदी, चूड़ियां, महौर, खोल, कुमकुम, कंघी, इत्र आदि शामिल हैं। इसके अलावा, कलश, अक्षत्त, दूर्वा, तेल, घी, कपूर, अबीर, श्रीफल, चंदन, गाय का दूध, गंगाजल, दही, चीनी, शहद और पंचामृत चीजें भी हरियाली उपवास पूजा के लिए आवश्यक है।

उपवास और पूजा अर्चना के साथ ही सावन मस्ती का महीना भी है। जिसमे तीज पर लड़कियां और महिलाएं झूला भी झूलती है। इसके लिए किसी वृक्ष या गैलरी में झूला डालकर उन्मुक्त हवाओ की सैर करती है। सावन के लोकगीत भी बहुत चर्चित है जिन्हें गाकर भारतीय संस्कृति को जिंदारखने की कोशिश की जाती है। हरियाली तीज पर प्रायः रिमझिम बरसात रहती है। बारिश की फुहारों के साथ सावन के झूले आनन्ददायक बन जाते है। लेकिन अब झूले भी अतीत बनकर रह गए है। सावन के महीने का खास व्यंजन घेवर है। जिसे खाने का अलग ही मजा है। इस माह मंदिरों व अन्य धार्मिक स्थलों पर भागवत की कथाएं भंडारे होते रहते हैं। विवाहित महिलाएं अपने मायके जाकर यह त्यौहार मनाती हैं तो नवविवाहिताओं को सिंधारा भेजा जाता है। सावन का महीना भगवान शिव की स्तुति का खास अवसर है। सावन माह में प्रकृति भी हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। तब हर किसी के मन में उन्मुक्तता की खुशी झलकती हैं यह आस्था, सौंदर्य और प्रेम का उत्सव है। चारों तरफ हरियाली होने के कारण इसे हरियाली तीज कहते हैं। इस अवसर पर महिलाएं झूला झूलती हैं, गाती हैं और खुशियां मनाती हैं। महिलाएं इस दिन 'उमामहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरितालिका व्रतमहं करिष्ये' मंत्र का जाप करती है। इस व्रत को पूर्ण निष्ठा से करने पर प्रत्येक स्त्री को वांछित फल मिलता है।य भगवान शिव ने पार्वती जी को वरदान दिया था कि इस व्रत को जो भी स्त्री पूर्ण श्रद्धा से करेंगी उसे तुम्हारी तरह अचल सुहाग की प्राप्ति होगीद्यतीज के अवसर पर विवाहिताए अपने मायके जाना चाहती हैं।

एक गीत भी है, 'बहुत दिना हो गए पिया मोय, सावन शुगन मनाऊंगी, भैया आयो मोय लिवावे, मैं पीहर कू जाऊंगी। वही 'कच्चे नीम की निबौरी, सावन जल्दी अईयो रे, अम्मा दूर मत दीजौ, दादा नहीं बुलावेंगे, भाभी दूर मत दीजौ, भइया नहीं बुलावेंगे।' सावन में खूब गुनगुनाया जाता है। गांव में झूले पर झूलती हुई लड़कियों को देखकर उनके मन की उन्मुक्तता का अहसास होता है। लड़कियां पेड़ व मुंडेरों पर बैठी हुई चिड़ियों को देखकर अपने मन के भाव को कुछ यूं प्रकट करती हैं।

'पेड़ पै दो चिड़ियां चूं-चूं करती जाएं, वहां से निकले हमारे भइया, क्या-क्या सौदा लाए जी, मां को साड़ी, बाप को पगड़ी और लहरिया लाए जी, बहन की चुनरी भूल आए, सौ-सौ नाम धराए जी। 'सावन के लोकगीत के संवाद भी निराले है, ÷हे री काहे की तेरी मात, काहे के तेरे वीर, तू झूले अपने सासरे री।÷ झूला झूलती महिलाओं में कोई लंबी पीगें बढाती है तो कोई झोंटा देकर उन्हें हवा में उछालती हैं। महिलाएं गाती हैं, ÷झूला तो पड़ गए अमुआं की डार पै। तीज पर राधा-कृष्ण को भी कुछ इस तरह याद किया जाता है।

'आया सावन, बड़ा मन भावन, रिमझिम सी पड़े फुहार, राधा झूल रही कान्हा संग, दिल हुआ बाग बाग।' सच मे सावन और उसमें भी तीज महिलाओं की खास खुशी व साधना का पर्व है। जिसमे महिलाओं की भक्ति, गायन, उन्मुक्तता साफ झलकती है। यह परंपरा जीवित रहे तभी भारतीय संस्कृति, संस्कार जिंदा रह सकते है।

नशे की चपेट में शहर के युवा

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

नगर के इलाके कृष्णा नगर में लोग खुलेआम गांजे की बिक्री कर रहे हैं। सूत्रों से निरन्तर माही की गूंज संवाददाता के पास इसकी जानकारी मिलती रही। जिसमें कुछ लड़के पटरी पर बैठकर गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार करते हैं। ऐसे ही कई इलाके हैं जहां गांजा, शराब, सट्टा खुलेआम चलता है। पुलिस ऐसे मामलों में गंभीर नहीं हो रही है। रोजाना शहर भर में नशे का कारोबार बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण आधा शहर नशे की लत में बर्बाद हो रहा है। वही जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ कर जोड़-तोड़ में लगे हैं। पुलिस नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तो करती है, लेकिन कमजोर धाराओं और लाचर कानून व्यवस्था के चलते आरोपियों की जमानत हो जाती है।

मंडी क्षेत्र में जमकर बिक रहा गांजा

शुजालपुर थाना इलाके के मंडी बस स्टैंड और ब्रिज की पास पटरी के पास से रोजना खुलेआम गांजा बिक रहा है। पुलिस की लगातार कार्रवाई के बावजूद गांजे की बिक्री बढ़ती जा रही है। पुलिस की उदासीनता से गांजे की तस्करी के बड़ी खेप शुजालपुर में आ रही है जिसकी सूचना पुलिस को न होना अपने आप मे बहुत बड़ा सवाल खड़ा करता है। वही गांजे की बिक्री पर प्रशासन रोक नहीं लगा पा रहा। शुजालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रोज गांजे की बिक्री धड़ल्ले से हो रहा है। माही की गूंज अपने पिछले अंको में उक्त खबरें प्रकाशित करता आ रहा है, जिसका असर भी हो रहा है।

गांजे की हो रही बिक्री

शुजालपुर में सट्टे और गांजे की तस्करी का खेल खुलेआम चल रहा है। शुजालपुर और आस-पास के इलाके में नशे के कारोबार को गांजा तस्कर धड़ल्ले से चला रहे है। शहर के अधिकांश लोग यहां से ही गांजा ले जाकर सप्लाई करते हैं। यहां गांजा शुजालपुर के एक नामी व्यक्ति द्वारा लाया जाता है। वही तस्करों ने महिलाओं और बच्चों को भी गांजा बेचने में लगा रखा है। वह 2 सप्ताह में ट्रेन व बस में माल लेकर पहुंचते हैं। तो उस पर कई बार पकड़े भी जाते हैं लेकिन छूट भैईया नेताओं की मिलीभगत के चलते तस्करो पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाती है।

नशेड़ियों की हिम्मत बढ़ी

नशे के कारोबारियों की हिम्मत बढ़ी है, तो उस का सबसे बड़ा कारण है कि छूट भैईया नेता। क्योंकि छूट भैईया नेताओं के संरक्षण की वजह से आज नशे का कारोबार और कारोबारी अपनी काली कमाई की चरम सीमा पर है शुजालपुर शहर में पुलिस जब से एक्शन मोड में आई है। अपने एक्शन में आरोपी पकड़ते तो है लेकिन छोटी-मोटी धारा लगवाकर फिर से यह तस्कर अपने व्यापार को पुनः शुरू कर तस्करी में लग जाते हैं। बावजूद असामाजिक तत्वों ने अपने धंधे को चलाने के लिए जगह-जगह पर भी अपना अड्डे भी बना लिए है। गांजा, सट्टा और जुआ का कारोबार जोर-शोर से चल रहा है, इनका संचालन खूब किया जा रहा है।

गली-गली में मिलता है गंजा

राम मंदिर, गल्ला मंडी, कृष्ण नगर राय, कानपुरा सिटी, बस स्टैंड मंडी, यात्री प्रतीक्षालय के पास भील खेड़ी, रेल्वे स्टेशन के पास फ्रीगंज आदि जगहों पर शहर में गांजा तस्कर अपने खुद के इलाकों में बहुत सुरक्षित मानते हैं और गांजे के खिलाफथाने में कोई शिकायत भी नहीं दर्ज नही करवाते है। जिससे अपराधी सीना तान कर घूमते हैं। शुजालपुर में गांजा बेचने के नाम पर नाबालिको और महिलाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। पुलिस की उदासीनता से मंडी बस स्टैंड यात्री प्रतिक्षालय में नशेड़ी अपना अड्डा जमाए बैठे हैं। जिससे राहगीरों, महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आए दिन नशेड़ी महिलाओं से छेड़छाड़ करते रहते है।

चोरी के वाहनों का अवैध कार्यों में होता है उपयोग, पुलिस ने किया चेकिंग अभियान शुरू

माही की गूंज, मंदसौर।

कागज बदलकर चोरी के वाहनों की जिले में बिक्री किए जाने व इन वाहनों का अवैध कार्यों में उपयोग होने की जानकारी पुलिस को मिली। ऐसे में ऑटो डीलर के यहां खड़े वाहनों की चेकिंग शुरू की गई। यातायात प्रभारी शैलेंद्र सिंह चौहान ने पहले दिन गोल चौराहा क्षेत्र के करीब 12 ऑटो डीलर के यहां 129 वाहनों की चेकिंग की। एसपी सिद्धार्थ चौधरी के निर्देश पर यातायात पुलिस ने मंगलवार से ऑटो डीलर वालों के यहां रखे वाहनों की जांच शुरू की। यातायात प्रभारी सबसे पहले गोल चौराहा स्थित इंडियन कार बाजार ऑटो डील वाले के यहां पहुंचे। ऑटो डीलर संचालक को लगा कि, यातायात पुलिस केवल उसके यहां पहुंची इसलिए विरोध किया।

यातायात प्रभारी शेलेंद्र सिंह चौहान ने बताया, गोल चौराहा क्षेत्र के 12 डीलर के यहां 129 वाहनों की जांच की। सभी का रिकॉर्ड दर्ज किया। फिजिकल वेरिफिकेशन किया किया कि कहीं चोरी का वाहन तो नहीं है। ओरिजनल आरसी कार्ड चेक किए। कुछ के ऑरिजनल कार्ड नहीं होने पर वाहन मालिकों से संपर्क कर सत्यापन किया। कोर्ट से बनाएं शपथ पत्र चेक किए। अभियान एक सप्ताह तक चलाया जाएगा। इसके बाद रेंडमली जांच की जाएगी।

पीएम आवास योजना में शिकायत की जांच चल रही कछुए की चाल

सीएमओ, आवास प्रभारी को बचाते आ रहे नजर

नगर परिषद अकोदिया।

सीएमओ भगवान सिंह भीलाला

आवास प्रभारी चन्दन सिंह तोमर

माही की गूंज, शाजापुर/अकोदिया।

नगर परिषद के बीपीएल महा भ्रष्टाचारी के बाद अब प्रधानमंत्री आवास योजना में एक बहुत बड़ा खुलासा होने जा रहा है। अकोदिया नगर परिषद आवास योजना प्रभारी चंदन सिंह तोमर द्वारा पूर्व से निर्मित भवन पर आवास योजना का लाभ एवं प्रथम किस्त लाभार्थी के खाते में डाल दी गई, वही लाभार्थी का नाम अभी गोपनीय रखा गया है।

कहते है, 'ऊपर वाला जब भी देता है छप्पर फाड़ के देता है' कुछ इसी प्रकार अकोदिया नगर परिषद उच्च अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा आवास योजना का लाभ पूर्व से निर्मित मकानों पर दिया गया। खुलासा तब हुआ जब कृष्णकांत मेवाड़ा द्वारा उस व्यक्ति का मकान आवास योजना के लाभार्थी या पात्रता लिस्ट में देखा गया। ऐसे तो कई गरीब लोग आवास योजना का लाभ लेने के लिए नगर परिषद अकोदिया के चक्कर लगाते। जब कृष्णकांत मेवाड़ा द्वारा अकोदिया नगर परिषद से जानकारी चाही गई, तो जानकारी समय अवधि में उपलब्ध नहीं कराई और जब अकोदिया नगर परिषद के उच्च अधिकारी भगवान सिंह भिलाला द्वारा जानकारी उपलब्ध कराई गई तो वह भी जानकारी आधी अधूरी थी। जिसमें लाभार्थी के निर्माण स्थल की फोटो, आवास निर्माण से पूर्व ली गई समस्त जानकारियां की सत्यापित प्रतिलिपि चाही गई, तो अकोदिया नगर परिषद के उच्च अधिकारी द्वारा कलेक्टर के अनुमोदन द्वारा खाते में राशि डाली गई, ऐसा कहकर पूर्ण जानकारी देने से मना कर दिया। आवेदक द्वारा अकोदिया नगर परिषद में आवेदन के माध्यम से जानना चाहा कि, शेष जानकारी देने का आग्रह क्या है जिससे कि शासन हित व जनहित शिकायत में कार्रवाई में सहयोग हो सके। परंतु अकोदिया के उच्च अधिकारी अपने कर्मचारियों को बचाते नजर आ रहे हैं एवं जिलाधीश पर आवास योजना का लाभ देने का पल्ला झाड़ते नजर आए। कलेक्टर की स्वीकृति के अनुसार हमने आवास में लाभ दिया ऐसा उनका कहना है।

सच की इस लड़ाई के दौरान अब कृष्णकांत मेवाड़ा को छोड़ उनके पिता को भी फोन पर धमकियां मिलना शुरू हो गई है। कई कॉल रिकॉर्डिंग एवं दबंगों के दबाव के सबूत उनके पास है। परंतु कृष्णकांत मेवाड़ा का कहना है कि, समय आने पर सब का खुलासा किया जाएगा। जल्दी ही कलेक्टर को आवेदन देकर इन शिकायत पर कार्रवाई के लिए मांग की जाएगी। वर्तमान में शिकायत तहसीलदार शुजालपुर (नगर परिषद प्रशासक) एवं नायब तहसीलदार अकोदिया के कार्यालय में विचाराधीन है। लेकिन अभी कार्रवाई से शिकायतकर्ता को अवगत नहीं करवाया गया है।

आम आदमी पार्टी ने नगर पालिका पर लगाए ना समझी के आरोप

76 करोड़ की मल-जल योजना को लागू करने में एक हजार करोड़ के सीसी रोड़ तोड़ दिए

माही की गूंज, शाजापुर।

नगर पालिका द्वारा 76 करोड़ के बजट की मल-जल योजना लागू की गई। जिसका कार्य पिछले 2 वर्ष से चल रहा है और आने वाले समय मे भी चलेगा। लेकिन इस योजना की हवा यहीं निकलती नजर आ रही है, क्योकि बारिश में उक्त मल-जल योजना के चेंबर ओवरफ्लो होने लगे है, अभी तो इसमें नगर पालिका के वोटरों के घरों के शौचालय के पानी के पाइप ही नही जुड़े। जब पाइप जुड़ेंगे तब चेम्बर ओर शौचालय दोनों ओवरफ्लो होंगे, साथ ही शौचालय भी चौक होंने की संभावना रहेगी। आम आदमी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिसनोरिया ने नगरपालिका पर आरोप लगाया है कि, 76 करोड़ की इस योजना को लागू करने में शहर के अंदर प्रशासन ने एक हजार करोड़ से ऊपर के सीसी रोड तोड़कर पाइप लाइन डाली। यह प्रशासन का किस प्रकार का रवैया है कि, 76 करोड़ की योजना को लागू करने में एक हजार करोड़ का घाटा कर दिया जाए। आम आदमी की समझ से यह बात परे है कि, आखिर यह खेल किस प्रकार का चल रहा है। क्या प्रशासन आम जनता के लिए बायोगेस, बायो फर्टिलाइजर या बायो डीजल बनाएगी। यह गणित कही न कही सिर्फ ओर सिर्फ भ्रष्टाचार और लूटपाट का नजर आता है, क्योंकि इस योजना से जनता को कोई फायदा नही होने वाला बल्कि उनके शौचालय चोक होंगे, अवरफ्लो होंगे और फिर आम जनता परेशान होगी। आमजन हर प्रोडक्ट पर टैक्स भरता है उसे यह जानना जरूरी है कि, आखिर उसके तगड़े टैक्स से प्रशासन किस प्रकार से खिलवाड़ कर रहा है। क्या प्रशासन में बैठे लोग शिक्षित और विज्ञान की समझ नहीं रखते हैं...? क्या वह इसी प्रकार से काम करेंगे कि, नेता पक्ष-विपक्ष के व ठेकेदार और मालदार बनाएंगे...? वह बड़े-बड़े घर और बड़ी-बड़ी गाड़ियां खरीदेंगे और जनता को सिर्फ और सिर्फ जाति और धर्म के मुद्दों में मूर्ख बनाते रहेंगे...? आमजन शहर की नगरपालिका और पार्षदों से यह पूछना चाहते है कि, उनके वोट और उनके टैक्स से उन्हें इस योजना से क्या मिलेगा...?

पुलिस को मिली सफलता

माही की गूंज, कालापीपल।

4 अगस्त को मोहम्मद अजहर पिता अलीअखूतर मुसलमान निवासी कोलुआ पक्कू पोस्ट नारायणपुर जिला अशोक नगर द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी कि, 3 अगस्त को मैं मेरी मारुति सुजुकी डिजायर कार एमपी 67 सी 2078 को यशोदा होटल के सामने खड़ी कर खाना कहा रहा था। तभी होटल के सामने से कोई अज्ञात बदमाश मेरी कार चोरी कर ले गया। जिसकी रिपोर्ट पर से अपराध क्रमांक 335/2021 धारा 379 का मामला दर्ज कर अनुसंधान में लिया गया।

पुलिस ने मामले के अज्ञात आरोपी को 7 अगस्त को गिरफ्तार किया व आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मारुति सुजुकी डिजायर कार बरामद की गई।

विधायक ने किया नीलकंठेश्वर महादेव का अभिषेक

माही की गूंज, कालापीपल। कालापीपल विधायक कुणाल चोधरी ने विधानसभा के मोहम्मदपुर, मछनाई, गणेशपुर, खरदोनकला, खोकराकला के दोरे पर थे। विधायक चोधरी ने सभी गांव का दोरा कर कार्यकर्ताओ से मुलाकात कर कार्यकर्ता के हाल जाने। इसी के साथ चोधरी ने खोकराकला स्थित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर अभीषेक कर सभी क्षेत्रवासीयों की सुख शांति के लिए बाबा महाकाल से प्रार्थना की।

बता दे कि, श्रावन माह मे महीने भर पुजारी रेवाशंकर पंडित, पंकज शर्मा के द्वारा अभीषेक कीया जाता है। इस अवसर पर भीमराज गुड़सेठ, संजय ठाकुर, विरेंद्र राजपुत, धनश्याम पाटीदार, विष्णु पाटीदार, भेरूलाल, गोवर्धन, अशोक सोलंकी, मनजीत सिह, गोलु खान, दीपसिंह आदी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

घर के पास बनी नाली में मिला युवक का शव

माही की गूंज, कालापीपल। कालापीपल थाना क्षेत्र के ग्राम खमलाय में तेजपाल पिता प्रेमनारायण मालवीय (25) का शव घर से करीब 20 से 25 फीट दूरी पर से एक नाले में मिला। जानकारी अनुसार युवक शानिवार शाम से ही लापता था, युवक के परिजनों को वह दिखाई नही दिया तो रविवार सुबह इधर-उधर पूछताछ की, परन्तु पता नही चला दोपहर के समय कुछ दूरी पर नाले में शव पटा हुआ दिखाई दिया। परिजनों ने इसकी जानकारी कालापीपल थाना पुलिस को दी। पुलिस और परिजनों ने शव को बाहर निकाला व पीएम के लिए कालापीपल स्वस्थ केंद्र लाया गया। युवक के सिर में चोट के निशान भी है।

उक्त इस घटना में कालापीपल थाना प्रभारी राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि, मृतक युवक का फेर फिसलने से चोट आई है, जिस वजह से उसकी मौत हो सकती है क्योंकि वह नाले में करीब एक से दो फीट तक पानी भी बाह रहा था, परन्तु इस घटना में जांच के बाद ही खुलासा हो पाएगा।

श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया स्वतंत्रता दिवस

माही की गूंज, मंदसौर। साहील अगवान

देश में स्वतंत्रता दिवस का जश्न 15 अगस्त को पूरे उत्साह से मनाने की तैयारियां जारी हैं। लेकिन आपको जानकर हैरत हो सकती है कि, मंदसौर शहर के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में आजादी का सालाना पर्व इस तारीख से आठ दिन पहले ही शनिवार को मना लिया गया। दरअसल, इंदौर से लगभग 250 किलोमीटर दूर मंदसौर में शिवना नदी के किनारे स्थित इस प्राचीन शिव मंदिर में स्वतंत्रता दिवस हिन्दू पंचांग के आधार पर मनाया जाता है। यह अनूठी परंपरा पिछले 36 वर्षों से चली आ रही है।

पशुपतिनाथ मन्दिर के पुरोहितों, यजमानों की संस्था 'ज्योतिष एवं कर्मकांड परिषद' के अध्यक्ष उमेश जोशी ने गूंज से फोन पर हुई बातचीत पर बताया, देश 15 अगस्त 1947 को जब अंग्रेजी राज से आजाद हुआ, तब हिंदू पंचांग के मुताबिक श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी थी, इसलिए पशुपतिनाथ मन्दिर में हर वर्ष इसी तिथि के अनुसार विशेष पूजा-पाठ कर स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।

उन्होंने बताया, इस बार श्रावण कृष्ण चतुर्दशी शनिवार को पड़ी हमने अपनी परंपरा के अनुसार पशुपतिनाथ मन्दिर में स्वतंत्रता दिवस मनाया। हालांकि, कोविड-19 से बचाव के मद्देनजर इस अवसर पर केवल पांच पुरोहितों को बुलाया गया, जिन्होंने अष्टमुखी शिवलिंग का विशेष श्रृंगार कर पूजा की।

ऐसे होती है पूजा

उमेश जोशी ने आगे बताया कि, पशुपतिनाथ मंदिर में स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के दौरान दूर्वा (पूजा में इस्तेमाल होने वाली खास तरह की घास) के जल से शिवलिंग का अभिषेक किया गया, देश की समृद्धि तथा सुरक्षा की प्रार्थना की गई। मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर में श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को स्वतंत्रता दिवस मनाने की परंपरा वर्ष 1985 से जारी है।

हर छोटी-बड़ी जरूरत के लिए जान हथेली पर रख रोज करते है उफनती नदी पार

नान्दलेटा में मलेनी नदी के पार कालबेलिया बस्ती के सैंकड़ों लोग परेशान

माही की गूंज, रतलाम।

राशन दुकान से अपने घर तक अनाज लेकर आना, खाली गैस टंकी को बदलवाना, बीमार होने पर स्वास्थ केंद्र तक जाना, जिले में कुछ लोगों के लिए ये सामान्य कार्य नहीं, जिंदगी और मौत के बीच का संघर्ष है। ऐसी ही जिदंगी है जावरा विधानसभा क्षेत्र की पिपलौदा तहसील के ग्राम नांदलेटा की कालबेलिया बस्ती की। गांव से करीब डेढ़ से किलोमीटर दूरी मलेनी नदी के पार कालबेलिया बस्ती में करीब 250 की आबादी है। नदी पर आज तक पुलिया नहीं बनी है, हालांकि घोषणाएं दर्जनों बार हुई। पिछले लोकसभा चुनाव में भी सासंद सुधीर गुप्ता ने पुलिया निर्माण शीघ्र से शीघ्र प्रारंभ करवाने का आश्वसान दिया था, लेकिन अभी तक इस पर फाइल आगे भी नहीं बढ़ी है। इसके चलते बारिश में लोगों को हर छोटे-बड़े कार्य के लिए उफनती मलेनी को जान हथेली पर रखकर पार करनी पड़ रही है। नदी का बहाव भी तेज होता है जिसके कारण पहले भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

कालबेलिया बस्ती में रहने वाले बताते हैं कि, गांव में जब से उन्होंने या उनके पिता ने जन्म लिया तभी से पुलिया की मांग सुनते और करते आ रहे हैं। कालबेलिया बस्ती में 50-60 परिवार रहते हैं वो बारिश में गांव से कट जाते हैं। ऐसे में राशन दुकान, प्राथमिक स्वास्थ केंद्र, बाजार, बस स्टैंड, दुकान आदि कहीं भी जाना हो, उन्हें नदी पार करनी पड़ती है। खासकर बारिश के दिनों में जब नदी उफान पर होती हैं तो मार्ग पूरी तरह बाधित हो जाता है। गुड्डानाथ, रतननाथ, कारूनाथ, विक्रमनाथ, जितेंद्रनाथ आदि बताते हैं कि, खाने का सामान, दूध, राशन, गैस टंकी लानी हो या कोई भी काम हो बहुत समस्या होती है। दूसरा रास्ता, पास के गांव भैंसाडाबर होकर वापस नांदलेटा आने का है, जिसमें 8-10 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है। अधिकांश निवासी बेहद गरीब और सभी के सभी दैनिक मजदूरी करने वाले हैं। ऐसे में बच्चों, महिलाओं से लेकर बुजुर्ग तक हर रोज जोखिम उठा रहे हैं। कार्यकर्ताओं, गर्भवतियों, शिक्षकों की पीड़ा कालबेलिया बस्ती में गांव का प्राथमिक स्कूल और एक आंगनवाड़ी है, हालांकि इस वर्ष दोनों में बच्चे नहीं आ रहे हैं। परंतु यहां हर रोज परीक्षा शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की हो रही है, जिन्हें नदी की उफनती धारा पार करके अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है। वे लोग अपने अपने विभाग और गांव की पंचायत से कई वर्षो से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन नतीजा आज तक नहीं मिला। इसी बस्ती में सबसे अधिक समस्या और डर गर्भवती महिलाओं को है। यहां रहने वाली महिलाएं बताती हैं कि, करीब 3-4 वर्ष पहले बारिश के ही दौरान एक गर्भवती को अस्पताल ले जाने के लिए रात में उफनती नदी पार करनी पड़ी। अभी भी ऐसी परीस्थिति आई तो यही विकल्प है, नान्दलेटा गांव में वाकई ये बहुत विकट स्थिति है। इसके लिए सांसद ने जिला पंचायत सीईओ को पत्र लिखा है।

किसी भी दिन गंभीर हादसे की आशंका

गांव वाले कई वर्षो से नदी पर पुलिया की मांग कर रहे हैं। मौजूदा सांसद, विधायक सहित पूर्व में कई जनप्रतिनिधियों और विभागों से आश्वासन मिला। परंतु आज तक पुलिया का निर्माण नही हो सका है। हम अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। एक बार पुनः सांसद को आवेदन दिया है। किसी भी दिन गांव में गंभीर हादसा हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

कोरोना महामारी में माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए प्रारंभ हुई योजना

माही की गूंज, बड़वानी। कोरोना महामारी के कारण ऐसे बच्चे जिन्होने अपने माता-पिता दोनो या कानूनी अभिभावक या दत्तक माता-पिता को खो दिया है। ऐसे बच्चों के कल्याण के लिए स्वास्थ्य देखभाल एवं शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने हेतु पीएम केयर फार चिल्ड्रन योजना प्रारंभ की गई है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास आरएस गुण्डिया से प्राप्त जानकारी अनुसार पीएम केयर फार चिल्ड्रन योजना के तहत बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर बच्चे को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। योजना में 11 मार्च 2020 से महामारी समाप्त होने तक की अवधि के बच्चे पात्र होंगे।

उन्होने बताया कि, कोविड के कारण जिन बच्चों ने अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है, जिन्हे योजना के तहत सहायता की आवश्यकता है, ऐसे बच्चों के संबंध में निःशुल्क चाईल्ड हेल्प लाईन नंबर 1098, जिला बाल संरक्षण इकाई, परियोजना कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग या बाल कल्याण समिति को सूचित किया जा सकता है अथवा पीएम केयर्स फार चिल्ड्रन पोर्टल पर जानकारी अपलोड की जा सकती है।

बेटी के जन्म लेने पर रक्तदान कर मनाई खुशी

माही की गूंज, बड़वानी। युवा सामाजिक कार्यकर्ता मनीष गुप्ता ने अपने घर पर बेटी का जन्म होने पर जिला चिकित्सालय बड़वानी मे सड़क दुर्घटना में घायल मनावर क्षेत्र की बेटी को रक्त की आवश्यकता होने पर रक्तदान किया ।

सेव द चिल्ड्रन संस्था के परियोजना समन्वयक मनीष गुप्ता ने बताया कि, समाज में बेटी बचाओं और बेटी पढाओं, लैगिक समानता व रक्तदान के प्रति-जनजागरूकता के उद्देश्य से रक्तदान किया गया। साथ ही ईश्वर को धन्यवाद देते हुए कहा कि, बिटिया के जन्म लेने की खुशी दुगनी हो गई है, क्योकि दुसरी घायल बिटिया को सहयोग करने का ईश्वर ने सुअवसर प्रदान किया। रक्तदान के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता रूपेश व्यास, मनीष और मनीष पंचाल, ललीत लाड़ मौजुद थें।

15 अगस्त से संचालित होगा निरोगी काया अभियान

माही की गूंज, बड़वानी। हेल्थ एण्ड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत एनसीडी स्क्रीनिंग हेतु विशेष अभियान के तहत 15 अगस्त से 30 सितम्बर तक निरोगी काया अभियान संचालित किया जाएगा।

अभियान के संचालन के लिए कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा निरोगी काया अभियान के सफल संचालन हेतु बैठक लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बीएमओ एवं स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को निर्देशित किया कि कोरोना टीकाकरण सत्र जहां पर लगाये जाये। उन केन्द्रों पर हाईपरटेशन एवं डायबिटीज के मरीजों की स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से की जावे। साथ ही ग्राम स्तर पर मरीजों का ब्लड प्रेशर, शुगर, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच भी की जाए।

श्रमोदय आवासीय विद्यालयों के शैक्षणिक सत्र की होगी परीक्षा

माही की गूंज, खरगोन। म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल भोपाल द्वारा 5 अगस्त को मण्डल द्वारा स्थापित श्रमोदय आवासीय विद्यालयों के शैक्षणिक सत्र 2021-22 में पंजीबद्ध निर्माण श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों के प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश परीक्षा वर्ष 2021 का आयोजन किया जाना है। जिसके लिए प्रदेश के 34 जिला मुख्यालयों पर प्रवेश परीक्षा 17 अगस्त को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं जिले में कुल 32 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र श्री रा.ना.शास. उत्कृष्ट उ.मा.वि. खडवा निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों अपना प्रवेश-पत्र विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

विवादों में घिरे डॉ. बघेल, लगा एमएलसी के नाम पर 50 हजार रुपये मांगने का आरोप

निजी चिकित्सक के साथ फर्जी डॉक्टर के यहां छापा मारने के मामले में आए थे सुर्खियों में

माही की गूंज, पेटलावद।

भगवान के बाद कोई भगवान धरती पर है तो वो डॉक्टर है, ये बात कोरोना काल में सिद्ध भी हो गई। कोरोना काल मे सबसे बेहतर सेवाएं देकर नाम कमाने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर बघेल इन दिनों अपने काले कारनामो के कारण सुर्खियों में है। वर्तमान में इन पर घर पर और निजी क्लिनिक पर ड्यूटी टाइम में इलाज करने, मेडिकल विशेष की पर्ची पर दवाई लिखने के आरोप लग रहे है। इससे पूर्व भी पुलिस की ओर से आने वाले मामले में बनने वाली मेडिकल रिपोर्ट में पेसो की मांग कर एक पक्ष को फायदा पहुंचे ऐसी रिपोर्ट बनाने जैसे गंभीर आरोप लग चुके है। लगातार विवादों में नाम आने के बाद कोरोना काल मे नाम कमाने वाले स्वास्थ्य महकमे की साख पर बट्टा लग रहा है।

मंगलवार को बेंगनबड़ी निवासी गंगाराम भूरिया ने डॉक्टर बघेल पर बेहत ही गंभीर आरोप लगाते हुए अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता गंगाराम भूरिया ने बताया कि, अतिक्रमण को लेकर गांव में हुई कुछ लोगों की कहा सुनी के मामले में विपक्षी ग्राम पंचायत मांडन के सचिव हरीराम भूरिया ने पत्नी को जबरन घायल बताकर एमएलसी बना दी, जिससे हम पर सारंगी चौकी पर झूठा मामला दर्ज हो गया। जानकारी मिली कि, एमएलसी डॉक्टर बघेल ने बनाई तो इस संबंध में डॉक्टर बघेल से बात कि, जब कोई विवाद ही नही हुआ तो महिला को चोट कैसे लगी...? झूठी एमएलसी क्यो बनाई...? के साथ ही गंगाराम भूरिया का आरोप है कि, डॉक्टर ने उस एमएलसी को रफा-दफा करने के नाम पर 50 हजार रुपए की मांग की और 50 हजार देने पर ही मामला तुम्हारे पक्ष में होगा ऐसा कहा। शिकायतकर्ता ने कहा कि, डॉक्टर ने उनसे समय पर सम्पर्क करने को कहा, जिससे उनका काम कम में हो सकता था। मामले की शिकायत अनुविभागीय अधिकारी के पास है जो पहले मीडिया में आई खबरों पर डॉक्टर को नोटिस थमा चुके है।

निजी चिकित्सक के साथ जा चुके है छापे मारी पर, कोरोना के कारण नही हुई मामले की जांच

कोरोना की दूसरी लहर से ठीक पहले भी डॉक्टर बघेल से जुड़ा बड़ा विवाद सामने आया था, रायपुरिया के एक अवैध दांत के डॉक्टर के यहां दांत के ही एक निजी चिकित्सक जिसका क्लिनिक पेटलावद में है। उसको लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ पूरी कार्रवाई होने के बाद भी सामान जप्ती के नाम पर गए थे। जहां डॉक्टर के परिवार ने वीडियो भी बनाया, जिसमे डॉक्टर बघेल के साथ हुई बहस ओर निजी दंत चिकित्सक भी दिखाई दिया था। पूरा मामला गूंज द्वारा प्रकाशित किया गया था लेकिन कोरोना की दूसरी लहर में भगवान बने डॉक्टर को बिना किसी सवाल जवाब के मुक्त कर मामले को दबा दिया था। एक बार फिर डॉक्टर बघेल का मामला सामने आया है और विभाग भी हरकत में आ चुका है।

बीएमओ चोपड़ा का कहना है कि, हमारी जानकारी जिले में दी जाती है, हमको कार्रवाई करने का कोई अधिकार नही है।

वही जिला स्वास्थ्य अधिकारी जयपाल ठाकुर ने बताया कि, डॉक्टर बघेल की लगातार शिकायते आ रही है जिसकी जांच की जा रही है, यदी वे दोषी पाए जाते है तो विधि संवत उन पर कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा के कार्य अत्यन्त कारगार

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले के विकास के साथ-साथ श्रमिको को रोजगार उपलब्ध कराने में मनरेगा का विशेष योगदान है। कोरोना के मद्देनजर इस योजना की आवश्यकता और बढ गई है। अतः हमारा पदीन और सामाजिक दायित्व है कि, हम मनरेगा के तहत अधिक से अधिक कार्य प्रारंभ करवाए। जिससे लोगो को अपने घरो के आस-पास ही रोजगार मिलने लगे और ग्रामीणो का दूसरे राज्य जाकर मजदूरी करने की परम्परा को रोका जा सके।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ग्रामीण विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुए उक्त निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ रितुराजसिंह सहित जनपदो के सीईओ, उपयंत्री सहित परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में उपलब्ध लेबर बजट सहित संचालित 35 योजनाओं कपिलधारा, प्रधानमंत्री आवास, खेत तालाब, नाडेप, वर्मी कम्पोस्ट, मेढ बंधान, पशु शेड, बकरी शेड, मुर्गी शेड, नर्सरी, शांति धाम, खेल मैदान, सुदुर सम्पर्क सड़क, एप्रोच रोड़, सीसी रोड, आंगनवाड़ी भवन, राजीव गांधी सेवा केन्द्र, चबुतरा निर्माण, निस्तार तालाब, चेक डेम, बोल्डर चेक डेम, स्टाप डेम, सीपीटी सीसीटी, गेबियन, टांका, नाली निर्माण, निर्मल नीर, गौशाला, पुलिया निर्माण, सामुदायिक खेत तालाब, टेरिस फार्मिंग, गोचर भूमि चारागाह, स्कूल बाउण्ड्रीवाल, डायनिंग हाल, पोषण वाटिका की समीक्षा कर निर्देशित किया कि, इन योजनाओं के तहत संचालित कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हो जाये। इसको सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी संबंधित परियोजना अधिकारियों एवं संबंधित जनपदो के सीईओ की है। यदि कार्य समय सीमा में पूर्ण नहीं होता तो दोषी लोगो के साथ-साथ इन अधिकारियों पर भी कठौर कार्रवाई की जाएगी।

रोवर लीडर प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे पाटीदार का किया सम्मान

माही की गूंज, कालापीपल।

तहसील के खोकराकला में भोपाल से स्काउट का प्रशिक्षण लेकर लोटे मनोहर लाल पाटीदार का सम्मान किया गया। भारत स्काउट गाईड द्वारा राज्य मुख्यालय प्रशिक्षण केंद्र भोपाल में 1 अगस्त से 7 अगस्त तक रोवल लीडर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शाजापुर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोकराकला से मनोहर लाल पाटीदार ने भाग लिया। पूरे मध्यप्रदेश में 40 रोवर लीडर उपस्थित हुए। प्रशिक्षण में स्काउट के विभिन्न कार्यक्रम सीखाए गए और कोरोना काल में सहयोग किए गए अपने अनुभव को स्काउट मास्टर ने सभी के बीच साझा किए।

शिविर संपन्न होने के पश्चात मनोहर लाल पाटीदार का नगर आगमन पर शा.उ.मा. विद्यालय खोकराकला में सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित कर पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान स्काउट प्रशिक्षक दामोदर शर्मा, जिला संगठन आयुक्त सुरेश पाठक, विक्रम सिंह कुशवाह, लखन मेवाड़ा, श्रीकांत यादव, भरत कोहली, विष्णु सोनी, देवेंद्र पाटीदार, जन शिक्षक बलवंत सिंह राजपूत, जयप्रकाश गुप्ता आदि ने पाटीदार को बधाई दी।

ग्राम पंचायत पीपलगोन में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

माही की गूंज, खरगोन।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय प्रकाश मिश्र के आदेश पर ग्राम पंचायत पीपलगोन में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी रोबिन दयाल ने संबोधित करते हुए कहा कि, बुजुर्गों को विशेष दर्जा दिया जाना एवं उनके भरण पोषण में आने वाली कठिनाइयों का समाधान एवं आश्रय की व्यवस्था विधिक सेवा द्वारा की जाती है। श्री दयाल ने बताया कि, विधिक सेवा का कार्य है लोगो तक पहुंचकर उनकी सहायता करना है। लोग न्यायालय तक जाने से डरते है लेकिन उन्हें डरने की जरूरत नही है क्योंकि विधिक सेवा के माध्यम से गरीबो, बुजुर्गो, महिलाओ की समस्याओं का समाधान किया जाता है ।

शिविर में पैरालीगल वालेंटियर अकिल खान ने विधिक सहायता कैसे प्राप्त करे इस बारे में जानकारी दी और विवादों का निपटारा समझौते के द्वारा किए जाने की जानकारी भी दी। शिविर में ग्राम पंचायत सरपंच अजय जोशी, पैरालीगल वालेंटियर देवदत्त एक्कल, जोजु एम आर, सोनू शाह, आंगनवाडी कार्यकर्ता श्रीमती अनिता जितेंद्र सेन, श्रीमती प्रेमलता कुमरावत, कुसुम राठौड़, टीना कुमरावत सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे ।

600 एलपीएम के तीन ऑक्सीजन प्लांट हुए प्रारंभ

माही की गूंज, खरगोन।

कोविड-19 की तीसरी लहर के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों के तहत् जिले में तीन ऑक्सीजन प्लांट प्रारंभ हो चुके है। जबकि जिला मुख्यालय पर जिलें को सबसे बड़ा ऑक्सीजन प्लांट 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर तक हर हाल में 250 लीटर प्रति मिनट की क्षमता वाला प्लांट प्रारंभ कर दिया जाएगा।

सिविल सर्जन डॉ. दिव्येश वर्मा ने बताया कि, अजीज प्रेमजी संस्था द्वारा प्रदाय ऑक्सीजन प्लांट की सभी तैयारियॉ पुरी हो चुकी है। सिर्फसामने कि ओर स्लोप, साईड में टीन और एक डक्ट बनाना है। इस ऑक्सीजन प्लांट के प्रारंभ हो जानें के बाद जिले में हर एक मिनट पर 850 लीटर ऑक्सीजन तैयार हो सकेगी। हालांकि जिले में तीसरी लहर आने से पूर्व 7 पीएसए प्लांट से 2250 एलपीएम ऑक्सीजन बनाने की तैयारियॉ चल रही है। जिसमें बड़वाह, महेश्वर और कसरावद में बने 200-200 एलपीएम के प्लांट जून माह में ही प्रारंभ हो चुके हैं। जबकि दो एलपीएम प्लांट पीएम केयर फंड से तैयार होना है। इनमें खरगोन जिला अस्पताल में 1000 एलपीएम और बड़वाह सिविल अस्पताल में 500 एलपीएम का ऑक्सीजन प्लांट की लगभग 50 फिसदी तक तैयारियॉ हों चुकी है। इसी तरह सनावद में बनने वाला 200 एलपीएम का प्लांट का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। अभी वर्तमान में बड़वाह और महेश्वर में विधायक निधि व जनसहयोग से 200-200 एलपीएम के ऑक्सीजन प्लांट प्रारंभ हो चुके है। जबकि कसरावद में जनसहयोग से बना 200 एलपीएम वाला ऑक्सीजन प्लांट भी शुरू हो चुका है।

नगर पालिका को मिला आईएसओ सर्टीफिकेट

माही की गूंज, खरगोन।

क्वालिटी मैनेजमेंट और पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम में बेहतर कार्य करने पर नगर पालिका परिषद खरगोन पुनः आईएसओ प्रमाणित हो चुका है। संस्था विज़नकेयर सर्टिफिक्रेशन प्रायवेट लिमिटेड भोपाल के राहुल सिंह ठाकुर द्वारा नगर पालिका सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रकाश चित्ते को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। नगर पालिका कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार विगत वर्षों में भी नगर पालिका खरगोन को क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम में गुणवत्ता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए आईएसओ सर्टिफिक्रेट से सम्मानित किया गया था।

विजनकेयर सर्टिफिक्रेशन प्राइवेट लिमिटेड संस्था भोपाल के राहुल सिंह ठाकुर ने बताया कि, नगर पालिका परिषद खरगोन को आईएसओ सर्टिफिक्रेट के आवेदन पर 3 वर्षों बाद पुनः गुणवत्ता पर्यावरण मैनेजमेंट व क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम का निरीक्षण किया गया। जिसमें निकाय की समस्त शाखा में संधारित दस्तावेजों व अभिलेखों की कार्यप्रणाली आदि के निरीक्षण उपरांत आंतरिक ऑडिट कराया गया। ऑडिट में समस्त निर्धारित मापदंडों के अनुसार पाया जाने पर नगर पालिका परिषद खरगोन को पुनः आईएसओ प्रमाण पत्र दिया गया।

जल जीवन मिशन जिले के लिए अत्यन्त कारगार योजना- कलेक्टर श्री वर्मा

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले की टोप्पोग्राफी के कारण हमारे लिए जल मिशन की योजना अत्यन्त कारगार है। इस योजना का प्रभाव प्रधानमंत्री सड़क योजना जैसा ही होने वाला है, जिसने हमारे जिले के विकास को पंख लगा दिया है। अतः इस योजना को धरातल पर प्रभावशाली बनाने के लिए हमें अपना सर्वोच्च प्रयास और निपूणता देना होगा। जिससे मजरो-टोलो, दुर्गम स्थानों पर रहने वालो को नल के माध्यम से शुद्ध जल घर बैठे ही मिलने लगे।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने जल जीवन मिशन योजना के संचालित कार्यो की समीक्षा करते हुए उक्त निर्देश पीएचई विभाग के पदाधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ रितुराजसिंह, पीएचई के कार्यपालन यंत्री एचएस बामनिया, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास निलेशसिंह रघुवंशी, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आरएस गुण्डिया सहित समस्त जनपदो के सीईओ, पीएचई विभाग का मैदानी अमला उपस्थित था।

कल होगा करणी सेना का धरना-प्रदर्शन

माही की गूंज, रतलाम।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना रतलाम में एक बार फिर बड़े प्रदर्शन की तैयारी में है। रतलाम जिले में एक जहरीली अवैध शराब की फैक्ट्री पकड़ाई थी, जिसमें करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष का भी नाम आरोपियों की सुची में शामिल होने पर करणी सेना का आरोप है कि, जीवन सिंह शेरपुर को इस मामले में झूठा फंसाया गया है। इस मामले को लेकर 13 अगस्त शुक्रवार को रतलाम में स्वर्ण समाज द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

श्रावण मास में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग किए जा रहे तैयार

प्रतिदिन हो रहा रूद्राभिषेक और विशेष हवन, तीसरे सोमवार को शिवलिंग का एकादश के रूप में हुआ मनमोहक श्रृंगार

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के विवेकानंद कॉलोनी स्थित उमापति महादेव मंदिर पर श्रावण मास के तीसरे सोमवार को शिवलिंग का एकादश (हनुमानजी) के रूप में मनमोहक श्रृंगार किया गया। महाआरती कर महाप्रसादी का वितरण हुआ। मंदिर में पूरे श्रावण माह में युवा ज्योतिष शिरोमणी आचार्य पं. द्विजेन्द्र व्यास के नेतृत्व में विद्वानजनों तथा मंदिर से जुड़े भक्तजनों द्वारा कुल सवां लाख पार्थिव शिवलिंगों का भी निर्माण किया जा रहा है। साथ ही प्रतिदिन उमापति महादेवजी का रूद्राभिषेक के साथ विशेष हवन भी चल रहा है।

पं. द्विजेन्द्र व्यास ने बताया कि तीसरे सोमवार को अलसुबह से ही मंदिर में विवेकानंद कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का दर्शन-पूजन के लिए आना-जाना आरंभ हो गया था, जो रात तक चलता रहा। देर शाम को मंदिर पर आकर्षक विद्युत सज्जा कर उमापति महादेव का एकादश (हनुमानजी अवतार में) के रूप में सुंदर श्रृंगार विद्वानजनों में पं. मनोज दवे एवं विनोद दवे उज्जैन, तथा पं. संतोष शर्मा आदि ने किया। रात्रि 8.30 बजे से महाआरती का आयोजन हुआ। तीसरे सोमवार को महाआरती में बड़ी संख्या में महिला-पुरूष श्रद्धालुओं ने शामिल होकर लाभ लिया। बाद महाप्रसादी के रूप में कलाकंद तथा स्वादिष्ट फरियाली खिचड़ी का आनंद लिया। फरियाली खिचड़ी सामाजिक महासंघ के जिलाध्यक्ष नीरजसिंह राठौर की ओर से रखी गई। जिसके वितरण कार्य में मंदिर से जुड़े युवाओं में कार्तिकसिंह पंवार, चंद्रराज शर्मा, रजत भाटी, अभिजीतसिंह चौहान आदि का सराहनीय सहयोग रहा। वहीं अतिथि के रूप में मंदिर समिति के अध्यक्ष तथा प्रसिद्ध उद्योगपति मनोज भाटी, आसरा पारमार्थिक ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश शर्मा तथा राजकुमार पाटीदार, पंड्या, पं. गणेश प्रसाद उपाध्याय, वंदना व्यास आदि सम्मिलित हुए।

झाबुआ के नवदुर्गा धाम स्थित शिव मंदिर पर भगवान का मनमोहक श्रृंगार मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं ने किया

पूर्णाहूति पर होगा उद्यापन

मंदिर में काली मिट्टी से प्रतिदिन हजारों की संख्या में सुंदर शिवलिंग तैयार किए जा रहे है। जिनका अंतिम सोमवार को उद्यापन बाद यह तालाब में विसर्जित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रतिदिन भगवान का रूद्राभिषेक तथा अलग-अलग यजमानों द्वारा हवन में सम्मिलित होकर देश और विश्व से कोरोना महामारी से मुक्ति हेतु विशेष आहूतियां प्रदान की जा रही है तथा प्रार्थना की जा रही है।

भारत के नक्शे और तिरंगा आकृति में किया गया श्रृंगार

शहर के हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में नवदुर्गा धाम (जगदम्बे माता मंदिर) स्थित श्री ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर पर श्रावण मास के तीसरे सोमवार को भगवान भोलेनाथजी का कॉलोनी के बालक-बालिकाओं ने भारत के नक्शा बनाकर उसमें तिरंगा आकृति देकर सुंदर श्रृंगार किया। साथ ही खेल जगत में भारत का नाम गौरवान्वित करने वाले नीरज चौपड़ा का गोल्ड मेडल भी बनाया। मंदिर के सेवक पं. प्रदीप भट्ट ने बताया कि मंदिर से जुड़े पियूष पाटिल, वासुदेव कालानी, हार्दिक निगम, विक्कीसिंह आदि सहित अन्य बालिकाओं ने मिलकर फूल-पत्तियों से भारत का नक्शा तिरंगा आकृति में बनाकर नीरज चौपड़ा का गोल्ड मेडल बनाकर भी सजाया। रात्रि 8.30 बजे महाआरती में बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल हुए। बाद महाप्रसादी में फरियाली खिचड़ी मनीष पंवार एवं खीर का वितरण तखतसिंह नायक की ओर से रखा गया।

झाबुआ के विवेकानंद कॉलोनी स्थित उमापति महादेव मंदिर में भोलेनाथ का एकादश (हनुमानजी) के रूप में हुआ सुंदर श्रृंगार

विश्व आदिवासी धूमधाम से मनाया गया

परंपरागत हथियारों, वेशभुषा के साथ निकाला जुलूस, जमकर थिरके युवा

माही की गूंज, आम्बुआ।

आदिवासी समुदाय के लिए घोषित विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त पर आम्बुआ कस्बे में जिला स्तरीय सम्मेलन धूमधाम से मनाया गया। परंपरागत हथियारों, परिधानों के साथ ढोल, मांदल तथा डीजे की धुन पर निकले जुलूस में युवाओं ने नृत्य का समा बांधा। जुलूस का कस्बे में विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया तथा जलपान की व्यवस्था की गई। उक्त आयोजित कार्यक्रम दो स्थानों पर हुआ, जहां भील सेना ने पंचायत प्रांगण में तो सर्व आदिवासी समुदाय ने श्री राम मिनरल प्रांगण में विशाल आयोजन किया। वक्ताओं ने समाज उत्थान पर बल देने हेतु अनेक सुझाव आदि व्यक्त किए। घंटो चले कार्यक्रम में जिले से लगभग 9-10 हजार समाजजन एकत्र हुए।

जल, जंगल, जमीन पर हक है। जय आदिवासी, जय जोहार के नारो के साथ आदिवासी समाजजन विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में 9-10 हजार की अनुमानित संख्या में बच्चों से लेकर वृद्ध तथा युवक-युवतियां परंपरागत हथियारों व वेशभूषा के साथ ढोल-मंडल तथा डीजे की धुन पर नृत्य करते हुए, जब कस्बे से गुजरे तो पूरा माहौल उत्सव के रूप में दिखाई दिया, जिसमें भगोरिया की झलक दिखाई दी। भील सेना तथा सर्व आदिवासी समुदाय (जिसमें भील, भिलाले, पटलिया आदि सभी प्रजातियों का समूह) ने अलग-अलग जुलूस निकाले तथा अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए। एक आयोजन ग्राम पंचायत प्रांगण में जिसे भील सेना के प्रदेश अध्यक्ष रमेश बघेल, शंकर बामनिया, दिलीप सिंह भूरिया, ने संबोधित किया, यहां संख्या कम देखी गई। दूसरा विशाल आयोजन श्री राम मिनरल प्रांगण में आयोजित हुआ, यहां उपस्थित विशाल जनसमुदाय को अलीराजपुर से आए महेश पटेल, आयोजन समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत, कार्यक्रम प्रभारी अरविंद कनेश, साक्षी भयडिया, नितेश अलावा, संगीता चौहान आदि ने संबोधित किया।

आदिवासी दिवस विगत 6 वर्षों से मनाया जाता रहा है। हर वर्ष एक नए जोश के साथ मनाया जाने वाला यह दिवस इस वर्ष उत्सव के रूप में दिखाई दिया। समाजजनों के अनुरोध पर शराब की दुकानें बंद रखी गई, ताकि नशे से बचा जा सके। सभा स्थल पर खड़े महुआ पेड़ों पर समाज के महापुरुष टंट्या मामा, बिरसा मुंडा, भीमराव अंबेडकर, आदि की तस्वीरें उकेरी गई जो कि, आकर्षण का केंद्र रही। इस दिवस पर शासन द्वारा अवकाश घोषित नहीं करने का रोष वक्ताओं की आवाज में दिखाई दिया। समाज के शासकीय, अर्ध शासकीय तथा निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों ने स्वैच्छिक अवकाश लेकर कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम स्थल पर आदिवासी इतिहास से संबंधित साहित्य का विक्रय किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था हेतु आम्बुआ के अतिरिक्त अलीराजपुर, जोबट, आजाद नगर आदि स्थानों से सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल पूरे समय अनेक स्थानों पर तैनात रहा। कार्यक्रम में जिले के अलीराजपुर, सोंडवा, आजाद नगर, उदयगढ़, जोबट, कट्ठीवाड़ा ब्लॉक के साथ-साथ समीप गुजरात प्रांत से भी समाजजन उपस्थित हुए।

विधायक पटेल ने आदिवासी दिवस के मुख्य कार्यक्रम में लिया भाग

माही की गूंज, अलीराजपुर।

विश्व आदिवासी दिवस पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश पटेल ने आदिवासी समाजजनो को पर्व की शुभकामनाए दी। इस दौरान पटेल ने स्थानिय टंटया मामा चौराहे पर महान आदिवासी नायक टंटया मामा के स्मारक पर श्रद्धासुमन एवं मार्ल्यापण किए। वहीं पटेल ने सोमवार दोपहर को आदिवासी समाज के मुख्य आयोजन ग्राम आम्बुआ मे आदिवासी लोक न्रत्य दल एवं कांग्रेसी नेताओ के साथ शिरकत की। इस दौरान पटेल एवं समाजजन बासुरी की धुन पर थिरकते हुए मुख्य कार्यक्रम मे पहुंचे। ग्राम आम्बुआ के मुख्य कार्यक्रम मे समाजजनो द्धारा पटेल का सम्मान किया गया। सामाजिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा कि, विश्व भर मे मनाए जाने वाला आदिवासी दिवस हर्षोल्लास का पर्व है। लेकिन भाजपा सरकार ने प्रदेशभर मे समाज के लोगो को आदिवासी दिवस नही मनाने को लेकर धारा 144 लागु कर दी। वही अधिकारी-कर्मचारियो अवकाश नही देकर अन्य कार्यो मे तेनाती कर दी, जिसका आदिवासी समाज पुरजारे विरोध करता है। वर्षभर मे एक बार हमारा आदिवासी दिवस पर्व आता है, उस पर भी भाजपा सरकार ने बंदिश लगा दी। पटेल ने कहा कि, आदिवासी समाज अपना हक ओर अधिकार लेना जानता है और समाज के लोग झुठे प्रकरणो एवं जेल जाने से नही डरते है।

शिवभक्ति में डूबे भक्त, देर रात तक चली भजन संध्या

माही की गूंज, अलीराजपुर।

श्री पंचेश्वर महादेव मंदिर पर श्रावण मास के तीसरे सोमवार को भजन संध्या का आयोजन किया गया। धार से पधारे राम रामायण ग्रुप के भजन गायक मंदीप दास बैरागी एवं उनकी पूरी टीम का श्री पंचेश्वर धाम समिति के सदस्यों ने सभी कलाकारों का दुपट्टा डालकर स्वागत किया। भजन संध्या में पधारे मुख्य अतिथि पुष्पराज पटेल का स्वागत राजेश उपाध्याय ने दुपट्टा डालकर किया। जिसके बाद भजन संध्या आरम्भ की गई, जिसमें इसमें बड़ी संख्या में बाबा भोलेनाथ के प्रेमियों ने भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम रात 9 बजे शुरू होकर देर रात 1 बजे तक चलता रहा। फूलों से मंदिर को सजाया गया था।

गणेश वंदना से हुई भजन संध्या की शुरुआत

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को महोत्सव के तहत भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन गायक मंदीप दास बैरागी ने भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी। देर रात तक श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लिया। इस अवसर पर भगवान भोले नाथ का श्रृंगार श्री नाथ जी के रूप में किया गया, साथ ही मंदिर को गुब्बारे से सजाया गया। भगवान के दर्शन के लिए आस्था की कतार लगी रही। सभी कलाकारों ने एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी। गणेश वंदना वो म्हारा चिंतामण गणराज, से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में गुरु वंदना के साथ भोलेनाथ के एक से बढ़कर एक भोला है भंडारी करे नंदी की सवारी, शिव नाथ तेरी महिमा, भोले तेरी जटा से बहती है गंगा की धारा, इस भजन की प्रस्तुति पर पुरुष एव महिला श्रोता झुम उठे। उन्होने इसके बाद ओम नमः शिवाय ओम नमः शिवाय, कैलाश के निवाशी नमो बार बार हो, भक्तो का सहारा है बाबा खाटू नरेश, भोले हो गए टनाटन, एकली खड़ी रे मीराबाई एकली खड़ी, जैसे भजनों पर काफी तालिया बजाई गई। इसके बाद उनके द्वारा प्रस्तुत यार मेरे मरने से पहले मुझे चिलम पिला देना जैसे भजनों पर श्रोताओं का मन मोह लिया। विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियों पर उपस्थित महिलाओं के साथ बच्चे भी भजनों पर नृत्य करते नजर आए। भजन संध्या रात्रि 1 बजे तक चली, बाबा पंचेश्वर महादेव की शयन आरती के बाद भजन संध्या का समापन किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री पंचेश्वर धाम समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

जमीन विवाद में हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास

माही की गूंज, अलीराजपुर।

घटना 25 अगस्त 2020 की है। ग्राम उण्डारी के फरियादी की छोटी बहन गनीबाई ने उसकी राजी मर्जी से माण्डवगढ़ में शादी कर ली थी। जिसके खान-पान के कार्यक्रम में फरियादी ने गांव वालों को बुलाया था। फरियादी के मामा खेमा पिता धना भुरिया भील को भी उक्त खान-पान के लिए बुलाया था। खाने के लिए पंगत बैठी थी, तभी इन्दरसिंह पिता जोहरसिंह अजनार भील निवासी उण्डारी तालाब फलिया का आया और फालिए (तलवार जैसा धारदार हथियार) को उठाकर फरियादी के मामा खेमा की ओर गया और गालिया देने लगा। कहा कि, तेरे को जमीन बहुत चाहिए, तु हमको कई साल से जमीन के लिए कोर्ट के चक्कर लगवा रहा हैं। फरियादी के मामा खेमा को जान से मारने की नियत से फालिए से वार किया, जिससे दाएं कान से लेकर आधा सिर कट गया और फिर फालिया बांये तरफ से मारा तो बांये तरफका कान और आधा सिर कट गया, जिससे फरियादी के मामा खेमा की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। फरियादी के बताए अनुसार आरोपी इंदरसिंह के विरूद्ध थाना जोबट में अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध में अनुसंधान पूर्ण करने के पश्चात् न्यायालय जोबट में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। न्यायालय जोबट द्वारा प्रकरण में विचारण के पश्चात् अभियोजन साक्षियों के समर्थन के आधार पर आरोपी इंदरसिंह पिता जोहरसिंह भील को आजीवन कारावास व एक हजार रूपए अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड की राशि अदा नहीं करने पर 6 माह के अतिरिक्त कारावास भुगताए जाने का निर्णय दिया गया।

जिले के 100 गांव ऐसे जहां नहीं किया जाता ध्वजारोहण

माही की गूंज, अलीराजपुर।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अलीराजपुर जिला कार्यालय पर प्रेसवार्ता व पोस्टर का विमोचन किया गया। जिसमें प्रांत सह मंत्री विनय चौहान ने कहा कि, 15 अगस्त को हम स्वाधीनता के 75 वर्ष में प्रवेश करेंगे, जो उल्लास उमंग और उत्सव का समय है। प्रत्येक भारतीय के मन में स्थित तिरंगे के प्रति सम्मान के भाव के प्रकटीकरण का समय है। अतः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समस्त छात्र समुदाय से आह्वान करती है कि, कारोना की सावधानियों को ध्यान में रखकर स्वतंत्रता के 75 वी वर्षगांठ 15 अगस्त को मालवा प्रांत के प्रत्येक गांव बस्ती में ध्वजारोहण करने के अभाविप के संकल्प में सहभागी बने।

उन्होंने बताया कि, एबीवीपी मालवा प्रांत के 2 हजार 500 गांव में जहां ध्वजारोहण नहीं किया जाता है, वहां राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराएंगे। इसी तरह अलीराजपुर जिले के 100 गांव में ध्वजारोहण किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में जिला संयोजक ओंकार सिंह चौहान, स्वतंत्रता महोत्सव के जिला संयोजक चिराग सोलंकी, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सावल पचाया, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य निलेश सस्तिया आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने धारा 144 के तहत सांधित आदेश किए जारी

माही की गूंज, अलीराजपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता ने म.प्र. शासन गृह विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा जारी परिपत्र अनुसार कोरेना संकमण की रोकथाम एवं बचाव हेतु जिले में 20 अगस्त तक दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। कोविड-19 संक्रमण की दर में कमी को दृष्टिगत रखते हुए कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1557 दिनांक 14 जुलाई 2021 एवं 1579-80 दिनांक 20 जुलाई 2021 से दंड प्रकिया संहिता, 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश अन्य आदेह यह पर्यन्त तक प्रभावशील किया गया था। उक्त आदेश की निरन्तरता में 20 अगस्त तक उक्त आदेश को प्रभावशील करने का संसोधित आदेश जारी किया है। पूर्व आदेश की शेष शर्ते यथावत रहेंगी।

गड्ढों में तब्दील हुआ रायपुरिया-जामली मार्ग, लोग श्रमदान कर भर रहे गड्ढे

माही की गूंज, रायपुरिया/जामली।

मुख्य मार्ग से लगे ग्रामीण अंचल में पहुंचने वाले मार्गो की हालत बेहत खस्ता हो गई है। जिन मार्गो पर भारी वाहनों की आवाजाही भी बहुत कम होती है वो मार्ग भी हर बरसात में गड्ढो में तब्दील हो जाते है, जिससे उनके निर्माण के स्तर का पता चलता है। रायपुरिया से जामली के लिए बने मार्ग की हालत भी कुछ ऐसी ही हो गई है, जहॉ पूरा मार्ग गड्ढो में तब्दील हो गया है और मार्ग से गुजरने वाले वाहनों चालको को परेशानीयो का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण मार्ग की दोनों साइड का भराव लगभग खत्म हो चुका है जो हादसों को खुला निमंत्रण दे रहे है। सड़कों की मरम्मत करने वाले जिम्मेदार विभाग भी इस और कोई ध्यान नही दे रहे है, जिसके चलते गड्ढो से बचाव के लिए ग्रामीणजन ही श्रमदान कर सड़क की बीच पड़े गड्ढो में मोरम भर रहै है। जिम्मेदार विभाग को मार्ग की सूद लेकर गड्ढो को भरना चाहिए, जिससे मार्ग पर होने वाली आवाजाही सुगम हो सके।

स्तनपान सप्ताह में पूरे सातों दिन किए जागरूक के कई कार्यक्रम

माही की गूंज, झाबुआ। इनरव्हील क्लब 'मेन' झाबुआ ने स्तनपान सप्ताह को जागरूकता सप्ताह के रूप में मनाते हुए पूरे सप्ताह ही विभिन्न कार्यक्रम किए। सभी कार्यक्रम संस्था की संस्थापक ज्योति रांका तथा अध्यक्ष समता कांठी के आतिथ्य में संपन्न हुए। संस्था की सचिव स्मृति भट्ट ने बताया कि स्तनपाह सप्ताह के तहत क्लब ने झाबुआ शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर महिलाओं को मां के दूध का महत्व समझाते हुए जिन महिलाओं को आयरन, कैल्शियम की कम थी, उन्हें निरूशुल्क टेबलेट प्रदान की। महिलाओं को बताया कि नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध ही अमृत के समान होता है। साथ ही इस दौरान निधर्न वर्ग की एवं जरूरतमंद महिलाओं को आवश्यक खाद्यान्न सामग्रीयां की प्रदान की। प्लास्टिक का बहिष्कार करते हुए महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया कि वह बाजार से खरीदी करते समय कपड़े की थैलियों का उपयोग करें, इसका संकल्प दिवालते हुए इस हेतु क्लब की ओर कई महिलाओं को कपड़े की थैलियां संस्था का लोगों लगी थैलियां प्रदान की और इसका उपयोग करने हेतु आव्हान किया।

अन्न उत्सव के तहत खाद्यान्न वितरण के बाद पौधारोपण भी हुआ

माही की गूंज, आम्बुआ।

प्रधानमंत्री ग्रामीण कल्याण योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को 10 किलो गेहूं का वितरण सहकारी तथा समूह द्वारा संचालित उचित मूल्य की दुकानो पर अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा संस्था प्रांगण में पौधरोपण भी किया गया।

हमारे संवाददाता के अनुसार 7 अगस्त को शासन के आदेशानुसार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत अन्न उत्सव मनाया गया। जिसमें पात्रता प्राप्त गरीब परिवारों को खाद्यान्न वितरित किया गया। आम्बुआ सहकारी संस्था प्रांगण में अलीराजपुर के पूर्व विधायक तथा भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद प्रतिनिधि नागर सिंह चौहान, समीप ग्राम बोरझाड़ के अंत्योदय जिला प्रभारी जयदीप सिंह पटेल, ग्राम बड़ी में जिला पंचायत सदस्य इंदर सिंह चौहान, ग्राम बन्द में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान, ग्राम अडवाड़ा में राधुसिंह पटेल द्वारा हितग्राहियों को 10-10 किलो गेहूं प्रदान किए गए। ग्राम बोरझाड़ सहकारी संस्था में इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव एवं जिला भाजपा अध्यक्ष वकील सिंह ठकराल, मंडल अध्यक्ष जुवानसिंह रावत तथा आम्बुआ पंचायत के उपसरपंच विकास माहेश्वरी ने पोधरोपण किया। इस अवसर पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी हरेंद्र शर्मा, शाखा प्रबंधक डीएल भयडिया, दिलीप वाणी, महेंद्र सिंह राठौर, यश राठौड़, देवेंद्र ठाकुर सहकारी समिति के संचालक गण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पूर्व टेलीविजन पर ऑनलाइन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का उद्बोधन सुना गया।

बैठक में महिलाओं ने जोबट विधानसभा उपचुनाव में विजय पाने का लिया संकल्प

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिला महिला कांग्रेस कमेटी की जिला स्तरिय बैठक जोबट विधानसभा की सहप्रभारी विजेता त्रिवेदी के अतिथ्य में स्थानिय पटेल फार्म हाउस पर आयोजित की गई। बैठक मे महिला कांग्रेस की सक्रियता, मजबुती ओर आगामी जोबट विधानसभा उपचुनाव की तैयारियो को लेकर चर्चा कर रुपरैखा बनाई गई। इस दौरान उपस्थित महिलाओ ने उपचुनाव मे भारी मतो से विजय होने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष मनीबाई अजनार, पुर्व नपा अध्यक्ष सेना पटेल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर सहित बडी संख्या मे महिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

परिवार की तरह पार्टी की मजबुती के लिए कार्य करें

कार्यक्रम मे सहप्रभारी विजेता त्रिवेदी का कांग्रेस नेत्रियों द्धारा स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सहप्रभारी श्रीमती त्रिवेदी ने कहा कि, भाजपा के राज मे आज महिलाओं पर अत्याचार बहुत बढ गया है। अपराधी बेखोफ होकर अपराध की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। मगर भाजपा सरकार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के बजाए उन्हे संरक्षण दे रही है। म.प्र. के जिलो मे हाल ही मे इस तरह मे घटनाएं हुई है, आरौपी घुलेआम बेखोफहोकर घुम रहे है। ये भाजपा सरकार की कथनी और करनी है, जिसको जनता के बिच ले जाना है। श्रीमती त्रिवेदी ने कहा कि इस दौर मे महिला किसी क्षैत्र मे पुरुषो से कम नही है, महिला अगर मन मे ठान ले वह काम आसानी से कर लेती है। जिस तरह से महिलाए घर-परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करती है, ठिक उसी तरह से महिला कांग्रेस से जुडी महिलाए संगठन की सक्रियता ओर मजबुती के साथ पार्टी हित के लिए निर्वहन करें। कार्यक्रम मे श्रीमती त्रिवेदी ने उपस्थित महिलाओ को आगामी जोबट विधानसभा उपचुनाव मे सक्रिय ओर मुस्तेद रहकर चुनाव मे विजयश्री होने का संकल्प दिलाया। इस दौरान महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीबाई अजनार, पुर्व नपा अध्यक्ष सेना पटेल, जोबट महिला ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अनिता गाडरिया, रिना सुरेंद्र चोहान ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस अवसर पर महिला कांग्रेस नेत्री रमिला भुरिया, ज्योतना डावर, गीता सोलंकी, किरण राठोड, कुलसुम बी, सुरमा मुवेल, पिंकी, आषा अजनार, आरती अजनार, सावत्री बाई, लक्ष्मी सहित बडी संख्या मे महिला कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का आभार पार्षद आयशा इरशाद चंदेरी चंदेरी ने माना।

आखिर ये कैसी पीढ़ा.?

दो पंचायतों में पिसा रहा गुलाबखोरी फलिया

आजादी के बाद से मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे रहवासी, आज तक नहीं किया समाधान!

माही की गूंज, झाबुआ/अमरगढ़। हरीश भटेवरा

– रामपुरिया में खड़ा कुत्ता तो अमरगढ़ परिसीमन में बैठा बैल, दो पाट के बिच अधुरी सड़क।

– रामपुरिया परिसीमन में ही स्कुल के पास अमरगढ़ की बनी आंगनवाड़ी के पास से गुजर रहा गुलबाखोरी फलिए का मुख्य मार्ग जो अपनी दुर्दशा पर रो रहा।

– गुलबाखोरी के रहवासी की दुर्दशा फलिए के इस मार्ग को देख कर ही चल रहा पता।

सरकार आम लोगों की समस्या के समाधान व विकास के कितने ही दावे करती हो परंतु जमीनी स्तर पर किस हद तक खोखला साबित हो रहा है। यह पेटलावद जनपद के ग्राम अमरगढ़ व रामपुरिया के पाट में बसा हुआ फलिया गुलबाखोरी में देखा जा सकता है।

गुलबाखोरी फलिए के रहवासियों की यह पीड़ा है कि, यह फलिया अमरगढ़ व रामपुरिया की ग्राम पंचायत के बीच फंसकर आजादी के साढ़े सात दशक बीत जाने के बाद भी मूलभूत सुविधाओं के लिए बाट जो रहा है।

बता दें कि, गुलबाखोरी फलिए में रोड के एक साईड अमरगढ़ ग्राम पंचायत में, तो रोड के दूसरी साईड रामपुरिया पंचायत की परिसीमन में आता है। उक्त फलिए में एक पुरानी प्राथमिक शाला रामपुरिया पंचायत परिसीमन में बनी हुई है। वही एक आंगनवाड़ी अमरगढ़ पंचायत के अधीन बनी है। परंतु यह आंगनवाड़ी, प्राथमिक शाला के समीप होकर रामपुरिया पंचायत परिसीमन में ही बनाई गई है।

उक्त प्राथमिक शाला में भी एक प्रभारी शिक्षिका पदस्थ है। वह भी रतलाम से अप-डाउन कर अमरगढ़ रेल्वे ट्रैक से पैदल स्कूल तक कभी-कभार ही पहुंचती है। यहां कोई अन्य स्थाई शिक्षक भी आना नहीं चाहता, क्योंकि गुलबाखोरी फलिए में दो पहिया वाहन से भी जाने के लिए 3 से 4 किलोमीटर का पश्चिम रेल्वे पटरी का चक्कर काट कर जा सकते हैं।

पूर्व में रेलवे फाटक खुली होने से आमजन इस फलिए में आराम से आवागमन बिना चक्कर काटे कर रहे थे। परंतु रेल्वे द्वारा फाटक बंद होने के कारण आमजन को 4 किलोमीटर तक का चक्कर काटकर अमरगढ़ मुख्य मार्ग पर से आना-जाना पड़ता है। वहीं दो पंचायतों के पाट में फंसे गुलबाखोरी फलिया आजादी के बाद से आज तक विकास की राह जो रहा है। परंतु आज भी रहवासी बिजली, पानी व सड़क की समस्याओं से जूझ रहे हैं।

बता दे, सड़क किनारे बिजली के पोल लगे हैं। वहीं से मोहल्लेवासी अपने स्तर से केबल खींच अपने-अपने घर तक बिजली ले गए जहां वोल्टेज रहता ही नहीं है। वहीं लंबे खींचे बिजली के तारों के कारण करंट लगने का डर बना रहता है। दोनों ग्राम पंचायत एक दूसरे की परिसीमन में होने के कारण कई समस्याओं से पल्ला झाड़ कह दिया जाता है, तुम उस पंचायत में जाओ। दोनों के पाट में कोई सुनने वाला नहीं है। नतीजन यहां बिजली के साथ पानी की भी समस्याएं हैं। तो यहां अधूरी सड़क भी नहीं बनाई जा रही है। कच्ची सड़क के कारण आमजन को खासकर बारिश में पैदल चलना भी दुश्वार हो जाता है।

एसडीएम कार्यालय से लेकर कलेक्टर तक समस्या के समाधान के लिए शिकायतें की गई। गुलबाखोरी फलिए को किसी एक पंचायत की परिसीमन में दाखिल कर विकास कार्य को गति दी जाए। जिस पर एसडीएम तक ने औपचारिक दौरा कर ढाक के तीन पात की तर्ज पर निरीक्षण कर अपने कार्य की इतिश्री कर ली। वही गुलबाखोरी रहवासी आज भी आजादी के 75 वें वर्ष के बाद भी विकास की राह जो रहे है।

पटवारी प्रभार के हल्के का रिकार्ड जमाकर कलम बंद हड़ताल पर उतरे

मांगे माने जाने तक हड़ताल रहेगी जारी, किसानों को उठानी पड़ेगी भारी परेशानी

माही की गूंज, झाबुआ।

मेघनगर तहसील क्षेत्र के पटवारी ने बस्ते जमा कर बैठे धरने पर।

संयुक्त कर्मचारी संघ की प्रदेशव्यापी हड़ताल बिना किसी निराकरण के लगभग 15 दिन में समाप्त हो गई। सरकार, संयुक्त कर्मचारी संघ की हड़ताल को लेकर सख्त होती दिख रही थी। वही इस बीच पटवारी संघ के भी हड़ताल के समर्थन में उतरने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन ऐसा नही हो सका। पिछले दिनों पटवारियों ने तीन दिन काम बन्द रख सरकार को अपनी मांगे मनवाने का प्रयास किया, जिसका कोई प्रभाव सरकार पर नही पड़ा। मंगलवार को मध्य-प्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर जारी चरणबद्ध आंदोलन के अन्तर्गत अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल के सम्बन्ध में जिले के समस्त पटवारी साथीयों को अपने प्रभार के हल्के का रिकार्ड संबधित तहसील कार्यालयों की रिकॉर्ड शाखा में जमाकर कलम बंद हड़ताल का आगाज कर दिया।

पटवारी, प्रशासन व किसान के बीच की कड़ी होता है और वह 16 विभागों के जमीनी स्तर के कार्य को अंजाम देता है। परन्तु पटवारियों का वेतन अन्य विभागों की तुलना में बहुत कम है और वेतनमान में विसंगति है। विगत 15 वर्षो से वेतनमान बढ़ाने व इसकी विसंगति को सुधारने के लिए प्रदेश में पटवारियों का आंदोलन समय-समय पर होता आया है। इस बार का आंदोलन पुरी ताकत व योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है व संघ का कहना है कि, शासन को हमारी मांग मानना ही पड़ेगी।

किसानों को होगी परेशानी, रुक जाएंगे कई महत्त्वपूर्ण काम

राजस्व विभाग की मुख्य कड़ी पटवारी होता है और जिले का बड़ा हिस्सा कृषि क्षेत्र में आता है। जहां सीमांकन, बंटवारा, कृषि भूमि की रजिस्ट्री, पावती, खाता नकल, रिकॉर्ड सुधार, नामांतरण सहित जाती प्रमाण-पत्र आदि के कार्यों में पटवारी की मुख्य भूमिका होती है। ऐसे में हड़ताल के बाद न केवल किसानों को बल्कि अन्य लोगों और स्कूली बच्चों को भी परेशानी उठानी पड़ेगी।

पेटलावद में धरने के पुर्व पटवारियों ने जमा करवाए बस्ते।

अज्ञात बदमाशों ने फिर ताले तोड़कर हजारों के माल पर किया हाथ साफ

माही की गूंज, पारा। गजेन्द्र चौहान

ग्राम में पिछले 5 वर्षों में कितने ही चौकी प्रभारी आए व चले गए, लेकिन किसी ने भी दबंगता व ईमानदारी से अपना कर्तव्य नहीं निभाया। जैसा सिस्टम हमेशा चलता आया, वैसा ही अब तक चला रहा है। चोरी की बड़ी घटनाओं पर विराम जरूर था, हालांकि छुट-पुट घटनाएं होती रही। अज्ञात बदमाशों पर किसी भी प्रभारी की दबंगता का भय नहीं दिखाई दिया, पुर्व प्रभारी अपने कार्यकाल में जो सिस्टम चलाते थे यह उसी गलती के नतीजे है। सिस्टम में बदलाव लाना होगा, अब नवगत चौकी प्रभारी के लिए चुनौती भरा सफर है।

फिर चोरी की घटना को दिया अंजाम

हाल ही अभी करीब 20 दिन पहले 5 से 6 दुकानों के ताले तोड़कर लाखो की चोरी कर घटना को अंजाम दिया था। जिसका समाचार माही की गूंज के अखबार में 22 जुलाई को ''अज्ञात बदमाशों ने रात भर मचाया उत्पात'' शिर्षक के साथ प्रमुखता से प्रकाशित किया था। अभी उस घटना का खुलासा भी नहीं हुआ था कि, ग्राम में अज्ञात बदमाशों ने फिर किराना दुकान के ताले तोडकर हजारों का माल चोरी कर लिया। अज्ञात बदमाशो ने हजारों की चोरी कर घटना को अंजाम दिया, वहीं बदमाश सुने मकानों व दुकानों को निशाना बना रहे है।

बदमाशों को पुलिस का जरा भी खौफ नहीं

बदमाश निरतंर सक्रिय होकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। बदमाशो ने दूसरी चोरी कर पारा पुलिस को चुनौती दे डाली। हालांकि पहली घटना के बाद पारा पुलिस हरकत में आ गई थी और गस्त बड़ा दी गई थी। फिर भी बदमाशो को पुलिस नहीं पकड़ पाई। जिससे साफ जाहीर हो रहा है कि, बदमाशों को पुलिस का जरा भी खौफ नहीं है।

कटर का इस्तेमाल कर तोड़े ताले

पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर पारा-झाबुआ मार्ग पर जहां कि, रात भर वाहनों की आवाजाही लगी रहती हैं। उक्त मार्ग से लगी विनीत जैन की किराना दुकान पर शुक्रवार रात दरमियान बदमाशों ने कटर का स्तमाल कर ताले तोड़े व शटर उचका कर अन्दर घुसे। बदमाश किराने का सामान व गुल्लक में पड़ी नगदी सिल्लक सब मिलाकर 30 से 40 हजार रूपए का माल ले भागे। घटना की जानकारी तब मिली जब पड़ोसी प्रातः उठे तो देखा कि दुकान के ताले टूटे पड़े है। पश्चात् पड़ोसियों ने दुकान मालिक विनीत जैन को घटना की सूचना दी। जैन अपनी दुकान पर आकर दंग रह गया। जैन ने घटना की जानकारी पारा पुलिस को आवेदन देकर दी। पुलिस ने घटना का मोका मुआयना कर मामले को विवेचना में ले लिया है।

एक और मामला पुलिस चौकी के सामने शनि मंदिर प्रांगण में पड़ी बाइक अज्ञात बदमाश द्वारा गत दिवस में चुराने का भी है। मामला दिनदहाड़े 2 बजे के करीब का है। बाइक सुनील पिता प्रताप ग्राम अंबा अपने सेठ के यहां नौकरी करता है। रोजाना की तरह अपनी बाइक शनि मंदिर प्रांगण में ही रखता था। बाइक क्र. एमपी 45 एमएल 2108 को बदमाश सुनील के सामने से ले जा रहे थे, बाइक थोड़ी दूर जाते ही सुनील ने बाइक देख ली। सुनील के पास में जाता उसके पहले बदमाश बाइक लेकर भाग गए। सुनील ने घटना की जानकारी पारा पुलिस को दी, सुनील ने 2 पुलिस जवानों के साथ बदमाशों का पीछा किया। बदमाश भागते हुए ग्राम सेमल खेड़ी पहुंच गए, बदमाश पुलिस को देखते हुए बाइक फेक कर रफूचक्कर हो गए। जवानों ने बाइक सुनील के हवाले कर दी। पुलिस थोड़ा और प्रयास करती व बदमाशों का पीछा करती तो बदमाश पकड़ा जाते।

विनीत जैन की किराना दुकान पर हुई चोरी।

सुनिल की बाइक जिसे बेखोफ बदमाश उसके सामने से ही लेकर भागे।

मुझे न्यायालय में जाना है, प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध करवाओ...

मामला भाजपा जिलाध्यक्ष पर लगे यौन शोषण के आरोप का, पुलिस ने महिला आयोग को भी नहीं दिया जवाब

प्रमाणित नकल के लिए प्रस्तुत आवेदन।

माही की गूंज, झाबुआ।

पेटलावद जनपद की जिस महिला ने भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक पर योन शोषण के गंभीर आरोप लगाकर शिकायत की थी। उस मामले को राजनीतिक दबाब के चलते ठंडे बस्ते डाल दिया गया। मुख्यमंत्री, ग्रहमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के संज्ञान में मामला आने के बाद भी महिला को न्याय नही मिला। पीड़ित महिला और उसके पति का कहना है कि, राजनीतिक दबाव के चलते हमारी आवाज़ दबा दी गई, लेकिन न्यायालय में सब साफहो जाएगा। इसलिए मामले को अब निजी कम्प्लेन के माध्यम से न्यायालय में ले जाएंगे।

प्रमाणित दस्तावेज के लिए दिया आवेदन, अब तक किया जा रहा गुमराह

राजनीतिक दबाव में पुलिस ने मामले को दबा तो दिया लेकिन अब मामला पुलिस के गले की हड्डी बनता जा रहा है। पीड़ित महिला पुर्व में भी सूचना के अधिकार में मामले में दिए बयान, नोटिस ओर पुलिस प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति चाही थी। लेकिन एसडीओपी कार्यालय से जांच पूर्ण होने का हवाला देकर पत्र जारी कर पीड़िता को एसपी कार्यालय भेज दिया था। जब एसपी कार्यालय से जानकारी मांगे जाने पर मामले की जांच एसडीओपी द्वारा जारी है बोलकर दस्तावेज नही दिए थे। पीड़ित महिला के पति का आरोप है कि, पुलिस लगातार हमको गुमराह कर दस्तावेज नही दे रही है और आए दिन पुलिस के जवानों को घर भेजकर हमको बार-बार बयान के लिए ओर सीएम हेल्पलाइन की शिकायत वापस लेने के लिए बुलवाते है। पुलिस के व्यवहार से लग रहा है कि, हमने न्याय के लिए शिकायत करके कोई बड़ा अपराध कर दिया हो। मंगलवार को एक बार फिर पीड़िता द्वारा एसडीओपी सोनू डावर से मामले को न्यायालय में ले जाने हेतु जांच के प्रमाणित दस्तावेजो की मांग लिखित में की है। लेकिन जांच समाप्त कर एसपी को भेजने वाली एसडीओपी साहीबा ने इस बार पीड़िता के पति को कहा कि, जांच जारी है और वॉइस रिकॉर्ड लेब में भेजे गए है, वहां से रिपोर्ट आने पर सारे दस्तावेज एक साथ देने की बात कर पल्ला झाड़ लिया। वही पीड़िता का कहना है कि, यदि कोई मामला नहीं बनता तो पुलिस प्रकरण को समाप्त क्यो नही कर रही है और जांच के नाम पर क्यों परेशान कर रहे है।

ऑनलाइन पोर्टल ओर महिला आयोग द्वारा पुलिस विभाग से मांगा गया जवाब अब तक पेंडिंग।

महिला आयोग से आई जांच का नही दिया कोई जवाब, सीएम हेल्पलाइन से शिकायत हटाने का डाला जा रहा दबाव

पीड़िता द्वारा मामले की शिकायत महिला आयोग को की गई थी, जिसकी जांच भी अभी तक चल रही है। पुलिस की और से महिला आयोग को कोई जवाब नही दिया गया, जिसके बाद आयोग की ओर से दोबारा रिमांडर डाला गया, लेकिन पोर्टल पर अभी भी शिकायत पेंडिंग ही दिखा रहा है। वही मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में लेवल फॉर तक चली गई है। जिसके लिए पीड़ित पक्ष पर लगातार शिकायत बंद करवाने का दबाव डाला जा रहा है।

केंद्र सरकार के किसान बिल को पलीता लगाता स्थानीय प्रशासन

मामला घटिया बीज का, किसानो को हुआ लाखो का नुकसान, शिकायत के बाद नही हुई कार्रवाई

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

केंद्र सरकार ने किसानों के भले के लिए लाए जा रहे किसान बिल (अध्यादेश) को दोनो सदनों में पास करवा लिया। दावा था कि इस किसान बिल से किसानों को सीधा लाभ होगा और ये बिल किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगा। बिल पास होने के बाद सरकार के इस बिल के विरोध में हजारों किसान दिल्ली, हरियाणा बॉर्डर पर हड़ताल पर बैठे है। वही सरकार बिल से किसानों के फायदे गिनवाने पर अड़ी हुई है। लेकिन स्थानीय निकाय इस बिल को कैसे पलीता लगा रहा है, इसका उदाहरण पेटलावद विकास खण्ड में सामने आया है। जहाँ किसानों के साथ धोखा करने वाली बीज कम्पनी ने ऐसा बीज सप्लाई किया कि, किसानों को लाखों का नुकसान उठाना पड़ा।

रामनगर के किसानों के साथ किया साइवी सीड्स लिमिटेड ने धोखा लाखों की फसल हुई बर्बाद

मामला मई-अप्रैल का है, जब रामनगर के गेंदालाल पाटीदार सहित कुछ किसानों ने उन्नत कृषि करने के लिए पेटलावद के जैन बीज भण्डार से साईवी सीड्स लिमिटेड कंपनी के खीरा ककड़ी बीज के लगभग 10 से ज्यादा पैकीट खरीदे। जिसमें किसान गेंदालाल पाटीदार ने पाउच्च के बेंच नम्बर 162, 163, 164 ओर 165 क्रमांक का प्रति पैकेट 1 हजार सौ रुपए की दर से खरीदा। कोरोना कर्फ्यू (लॉकडाउन) के मुश्किल समय मे किसानों ने हजारों रुपए बीज सहित मल्चिंग, तारफेनिंसग, सिंचाई, ड्रीप, दवाई छिड़काव सहित अन्य पूरे खर्चे किए। लेकिन उक्त बीज की घटिया क्वालटी के कारण ककड़ी की बेल पर ककड़ी नही लगी और अपनी नुकसानी के लिए साईवी सीड्स को जिम्मेदार मानते हुए, सरकारी ऑफिसों के चक्कर लगाने के बाद परेशान होकर अपनी फसल और मेहनत को बिना किसी प्रतिफल के उखाड़ कर फेंकनी पड़ी।

एक बीघे में होता है 500 क्विंटल से अधिक का उत्पादन, दूसरी कम्पनियों के बीज का मिला अच्छा उत्पादन

रामनगर के किसान गेंदालाल पाटीदार ने बताया कि, खीरा ककड़ी का उत्पादन एक बीघे में 500 से 600 से भी अधिक किवंटल का होता है। जिसकी चलते साइवी सीड्स कम्पनी का बीज कई किसानों द्वारा लगाया गया, लेकिन केवल ककड़ी की बैल लगी और फसल नही लगी। ऐसे एक नही जितने किसानों ने साईवी सीड्स का बिज लगाया, उनकी सब की फसल खराब हो गई। जिससे किसान को 5 से 7 लाख रुपए का नुकसान हो गया। जबकि अन्य कंपनियों के बीज का अच्छा उत्पादन हुआ है। ऐसा नही की केवल रामनगर के किसानों को पेटलावद से खरीदे गए बीज के कारण नुकसान हुवा है, राजोद-भेसोला चौपाटी के किसान आशीष पाटीदार द्वारा राजगढ़ जिला धार से खरीदा गया इसकी कम्पनी का खीरा ककड़ी बिज ओर रामगढ़ के एक ओर किसान द्वारा रतलाम से खरीदा गया बीज फेल हुआ है ओर क्षेत्र के कई किसानों को आर्थिक और बहुमुल्य समय की नुकसानी उठानी पड़ी है।

साइवी सीड्स कम्पनी का खीरा ककड़ी बिज का पैकेट, जो बिज फेल हो गया।

शिकायत के बाद मोके पर पहुँचा जाँच दल।

पूरी मेहनत के बाद फसल उखाड़ कर फेंकने को मजबूर किसान।

एसडीएम सहित थाने और उधायनिकी विभाग में लगाई गुहार, नही हुई कार्रवाई

फसल खराब होने के बाद के किसानों ने दुकानदार से बात की, लेकिन दुकानदार ने कम्पनी को सूचना देने का बोलकर पल्ला झाड़ लिया। जिसके बाद किसानों ने मामले की शिकायत अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद, पुलिस थाना पेटलावद ओर उधायनिकी विभाग में शिकायत दर्ज करवाई। अनुविभागीय अधिकारी ने कार्रवाई का आश्वासन देकर बाद में बिल नही होने की बात कहकर मामला रफा-दफा कर दिया। वही उधायनिकी विभाग द्वारा मौके पर टीम भेजकर पंचनामा बनावाया। इस दौरान कंपनी के लोग भी सर्वे करने आए, लेकिन किसानों को खराब हुई फसल के प्रति पैकीट 5 हजार देने की बात कर शिकायत वापस लेने का कह दिया।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारी सुरेश ईन्ते का कहना है कि, किसानों की शिकायत के बाद संबधित कम्पनी पर कार्रवाई का कार्य जारी है और उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर अवगत करवाया जा रहा है।

उधर किसानों का कहना है कि, अनुविभागीय अधिकारी सहित उधायनिकी विभाग ने हमारी सुनवाई नही की, वही बीज कम्पनी ओर दुकानदार जैन बीज भंडार से सांठ-गांठ कर ली।

क्या है नए कृषि कानून

नए कृषि कानून के मुताबिक यदि कोई व्यापारी किसी कम्पनी का नकली बिज बेचते पाया जाता है तो उसे एक वर्ष का कारावास या या 5 लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान है। यदि मामला जानबूझकर कर किया जाए तो कम्पनी और व्यापारी दोनों को दंडित करने का अधिकार है। लेकिन प्रशासन की इच्छाशक्ति के अभाव में ज्यादातर मामले दब जाते है और ऐसी बीज कंपनियों को मौका मिलता है। सरकार को चाहिए कि उक्त कम्पनी द्वारा न केवल फैल हुआ ककड़ी बीज बल्कि अन्य बीज और बेंच नम्बर की जांच के आदेश देकर कई जिलो में किसानों को हुए नुकसान की भरपाई करवानी चाहिए। जो कि नए कानून का प्रावधान भी है।

सीएम हेल्पलाइन पर भी पेंडिंग पड़ी शिकायत, विपक्ष कृषि कानून को लेकर हो रहा हावी

रामनगर के किसानों के साथ साइवी कम्पनी द्वारा दिए गए घटिया किस्म के बीज से हुए नुकसान की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी की गई है। जहाँ से अब तक शिकायत का निराकरण नही हुआ न ही कम्पनी की ओर से किसानों को हुए नुकसान का कोई मुआवजा मिला। वही कृषि कानून को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हावी होता जा रहा है और इस प्रकार के मामलों में प्रशासन की उदासीनता को देख कर लगता है लगता है कि, विपक्ष के उठाए प्रश्न कही न कही सही साबित हो रहे है और प्रशासन भी किसानों से जुड़े मामलो को हल्के में लेकर विपक्ष की ही मदद कर रहा है।

अब किसानों का कहना है कि, यदि उनकी नुकसानी की भरपाई नही होती है तो वो केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, अपने आपको किसान का बेटा कहने वाले प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल को पत्र लिख मामले से अवगत करवाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422